

नये नियम का इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र

सत्र 13: लूका -- लूका की विशेषताएँ

डॉ. टेड हिल्लेब्रांट द्वारा

ए. समीक्षा और परिचय [00:00-2:38]

ए: कम्बाइन एसी; 00:00-7:57; मसीह की मानवता/दिव्यता

आपका फिर से स्वागत है, यह लूका की पुस्तक पर व्याख्यानों की श्रृंखला में हमारा दूसरा व्याख्यान है। अब तक हमने लूका के बारे में एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तैयार की है और पॉल के साथ उसके संबंध के बारे में बताया है। हमने देखा कि वह अब यहूदी था और उसे संभवतः प्रेरित पॉल की दूसरी मिशनरी यात्रा [2MJ] पर त्रोआस से उठाया गया था जो उत्तर-पश्चिम तुर्की में है और फिर फिलिप्पी जाता है। लूका फिलिप्पी में रहा और फिर तीसरी मिशनरी यात्रा [3MJ] में पॉल उसे उठाता है, उसे वापस इज़राइल लाता है जहाँ उसने संभवतः बहुत शोध किया था जबकि पॉल यरूशलेम में पकड़े जाने के बाद कैसरिया में कुछ वर्षों के लिए जेल में था। फिर हमने कहा कि लूका ने संभवतः मैरी और ऐसे ही अन्य लोगों का साक्षात्कार लिया था। वह एक चिकित्सक था और पॉल उसे "प्रिय चिकित्सक" कहता है और फिर रोम के लिए प्रेरितों के काम 27 में इस जहाज़ की तबाही वाली यात्रा पर रोम भी जाता है।

तो ल्यूक एक इतिहासकार है, वह ऐतिहासिक तरीके से लिखता है, हमने कहा। हमने ल्यूक 1:1-4 को ध्यान से देखा जिसमें ल्यूक कहता है कि वह कई अन्य खातों के बारे में जानता है। इसलिए हम जानते हैं कि ल्यूक अन्य खातों के बारे में जानता था और वह उनका उपयोग करता है। वह विशेष रूप से प्रत्यक्षदर्शियों के बारे में बात करता है और जाहिर तौर पर उसने प्रत्यक्षदर्शियों का साक्षात्कार लिया। हमने सुझाव दिया कि उस समय मैरी शायद उनमें से एक थी क्योंकि ल्यूक मैरी की कहानी बताता है और आप मैरी की आवाज़ उठाते हैं।

अब हम लूका की पुस्तक की विशेषताओं पर चर्चा कर रहे हैं और हमने पवित्र आत्मा पर उनके जोर के बारे में बात की है। लूका ने लूका और प्रेरितों के काम की पुस्तक लिखी है। इसमें, इस पुस्तक में वह पवित्र आत्मा के बारे में बात करता है और लूका की पुस्तक में पवित्र आत्मा

विभिन्न लोगों पर आती है जैसा कि हमने पिछली बार देखा था। तो हमने देखा कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले पर पवित्र आत्मा आती है, जकर्याह, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के पिता, मरियम, आत्मा उस पर आती है, शिमोन, और स्वयं यीशु पर। प्रेरितों के काम 2 संभवतः पित्नेकुस्त के बारे में सबसे प्रसिद्ध अंश है। प्रेरितों के काम 2 में जब आत्मा नीचे आती है और वे अन्य भाषाओं में बोलते हैं और प्रेरितों को उस समय पवित्र आत्मा प्राप्त होती है जब यीशु 40 दिन बाद स्वर्ग में चढ़ जाता है और फिर उसके 50 दिन बाद पित्नेकुस्त होता है। तो प्रेरितों के काम 2 पवित्र आत्मा की अभिव्यक्ति के लिए प्रसिद्ध है।

बी. मसीह की दिव्यता और मानवता [2:38-4:44]

अब, आज हम जो करना चाहते हैं वह इन विशेषताओं को पूरा करना है और मैं इस एक्रोस्टिक एच एच सीडीएस एस पी पी के माध्यम से काम कर रहा हूँ इस तरह से आप इसे इस तरह से व्यवस्थित कर सकते हैं और हम इस एक्रोस्टिक से गुजरेंगे। ल्यूक की पुस्तक मसीह की मानवता को उठाती है और यह हमारे लिए ईसाइयों के रूप में एक महत्वपूर्ण बात है। हम, हमारे पास यह विभाजन चल रहा है जहाँ धर्मनिरपेक्ष लोग, अन्य धर्मों के लोग यीशु को एक अच्छे पैगम्बर के रूप में प्यार करते हैं, हर कोई यीशु को प्यार करने वाले यीशु से प्यार करता है, आप जानते हैं कि अपने दुश्मनों को सत्तर बार सात बार माफ़ करना, प्यार करना, दयालु होना, अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्यार करना और इस तरह की चीज़ें। वे प्यार करने वाले यीशु, बीटिट्यूड्स, पर्वत पर उपदेश, आप जानते हैं कि दूसरा गाल आगे कर देना पसंद करते हैं। इसलिए हर कोई यीशु को मानव पैगम्बर के रूप में प्यार करता है, लेकिन जैसे ही आप कहते हैं कि यीशु ईश्वर हैं, तो अचानक आपको इस्लाम और अन्य धर्मों के साथ बड़ी समस्याएँ होने लगती हैं यीशु मसीह देहधारी ईश्वर हैं। यह लोगों के लिए कठिन है और जब लोग यीशु को एक अच्छे पैगम्बर के रूप में प्यार करते हैं लेकिन वे उन्हें ईश्वर के रूप में नहीं ले सकते हैं और यहाँ तक कि उदार आलोचक भी अक्सर मसीह की मानवता पर ध्यान केंद्रित करेंगे और कहेंगे कि बाद के चर्च ने उन्हें ईश्वर में बदल दिया। बीसवीं सदी के आरंभ में लोग इस तरह की बातें कहते थे और आज भी करते हैं। इसलिए हम ईसाइयों ने अक्सर मसीह के ईश्वरत्व पर जोर दिया है, "शुरुआत में वचन [*लोगोस*] था और

वचन परमेश्वर के साथ था [यीशु] परमेश्वर के साथ था और वचन परमेश्वर था," और हमारे पास ढेरों अन्य स्थान हैं जहाँ हम उसकी दिव्यता दिखाने जाते हैं।

अब यहाँ, ल्यूक क्या कर रहा है - ल्यूक यीशु की मानवता को क्या उठाता है और मुझे लगता है कि यह हमारे लिए ईसाइयों के रूप में सोचने के लिए बहुत महत्वपूर्ण बात है, यीशु एक इंसान है। कभी-कभी मुझे डर लगता है कि हम उसे इतना अधिक देवता मानते हैं और हम उसकी दिव्यता के बारे में सोचते हैं, कि हम उसकी मानवता के बारे में सोचने में कमी करते हैं।

C. यीशु बुद्धि और कद में बढ़ता है [4:44-7:57]

तो यहाँ ल्यूक है और यहाँ ल्यूक क्या कहता है। यह एक प्रसिद्ध श्लोक है जो ल्यूक कहता है, "और यीशु बुद्धि में बढ़ता गया, यीशु बुद्धि में बढ़ता गया।" दूसरे शब्दों में, उसके पास यह सब एक साथ नहीं था और "यीशु बुद्धि और कद में बढ़ता गया।" अब हम समझ सकते हैं कि जब यीशु का जन्म हुआ तो वह एक शिशु के रूप में पैदा हुआ था, वह 6 फुट के आदमी के रूप में पैदा नहीं हुआ था। वह कद में बड़ा हुआ लेकिन वह बुद्धि में भी बढ़ा। - हमें इसे समझने की कोशिश करनी चाहिए और "परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में।" और इसलिए मैं बस इस बुद्धि में वृद्धि के बारे में सोचना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि ईसाई होने के नाते हमारे लिए इसके बारे में सोचना महत्वपूर्ण है।

जब यीशु एक शिशु के रूप में पैदा हुए, जब वे अपनी माँ के गर्भ से बाहर आए और आठवें दिन उनका खतना किया गया, तो क्या वे पहले से ही हिब्रू बोलना जानते थे? आप कहते हैं, "ठीक है, वे देहधारी ईश्वर हैं," लेकिन वे मनुष्य भी हैं। तो यहाँ यह एक महत्वपूर्ण विचार है। यीशु को हिब्रू, संभवतः अरामी और ग्रीक बोलना सीखना पड़ा। ठीक है, मेरा अनुमान है कि वे शायद कम से कम तीन भाषाएँ जानते थे और यही वे भाषाएँ थीं जिनका उपयोग किया जाता था। इसलिए उन्हें वे भाषाएँ सीखनी पड़ीं और फिर इससे एक और सवाल भी उठता है, अगर यीशु ने ये भाषाएँ सीखीं, तो यीशु को भी किसी और की तरह शास्त्र सीखना होगा। अब मान लिया जाए कि उनके पास एक विशेष दिमाग है, उनका दिमाग पाप से ग्रसित नहीं है, लेकिन फिर भी जब यीशु का जन्म हुआ, एक वर्ष की आयु में, वे शास्त्र नहीं जानते थे और उन्हें उन्हें सीखना पड़ा, उन्हें उन्हें सिखाया जाना था

और उन्हें पढ़ना सीखना था। उन्हें पढ़ना सीखना होगा, उन्हें बोलना सीखना होगा।

तो फिर, एक और सवाल उठता है, यीशु को बोलने के लिए पढ़ना सीखना होगा, उसे खुद शास्त्रों को सीखना होगा, लेकिन उसकी आत्म-समझ के बारे में क्या? यीशु को कब समझ में आया या पता चला कि वह मसीहा था? क्या अपने मसीहा होने की उसकी समझ समय के साथ बढ़ी? दूसरे शब्दों में, जब वह पहली बार एक साल का हुआ तो शायद वह अपने देवता और अपने अवतार, अपने मसीहा होने और इस बारे में नहीं सोच रहा था कि वह एक साल का होने पर क्रूस पर मरने वाला था। तो वह खुद की उस आत्म-समझ में कैसे आया कि वह कौन था? मुझे लगता है कि इस बारे में सोचना बहुत महत्वपूर्ण है। ठीक है, तो आप यीशु के बारे में उसकी सोच और उसकी मानवता के अपने आत्म-विकास के संदर्भ में सोचना चाहते हैं क्योंकि वह एक इंसान था। यीशु एक बच्चा था; वह एक यहूदी बच्चा था और बड़ा हुआ। इसलिए मसीह की मानवता के बारे में सोचना बहुत महत्वपूर्ण बात है। तो, "यीशु बुद्धि और कद में और परमेश्वर और मनुष्य के अनुग्रह में बढ़ता गया।" मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि कभी-कभी हम यह मान लेते हैं कि 30 साल की उम्र में या फिर यीशु की उम्र जितनी भी रही होगी, 30-32 साल की उम्र में जब वह गलील में आया, तो हम उसे यह सब बताते हैं, उसे सभी चीजों की जबरदस्त समझ है। लेकिन हम महसूस करते हैं कि उसे, एक बच्चे के रूप में, यह जानना होगा कि मसीहा के रूप में उसे क्या करना है, इसलिए मेरा मानना है कि इस बारे में सोचना महत्वपूर्ण है।

D. मसीह की मानवता—वंशावली [7:57- 10:01]

बी: संयुक्त डी.एफ.; 7:57-15:56; मानवता और विशिष्ट चमत्कार

अब, यहाँ लूका के मसीह की मानवता पर जोर देने के संदर्भ में कुछ अन्य कथन दिए गए हैं। मैथ्यू में, मैथ्यू 1:1 में वंशावली शुरू होती है, यीशु मसीह दाऊद का पुत्र है, और आपको वापस दाऊद से जोड़ता है क्योंकि मैथ्यू यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि मसीह राजा है। इसलिए वह वंशावली को विशेष रूप से दाऊद से जोड़ता है और हमने कहा कि 14, 14, और 14 शायद इसलिए था क्योंकि डीवीडी दाऊद के लिए थी। यह महत्वपूर्ण है। इसके अलावा अब्राहम, वह अब्राहम का पुत्र था और इसलिए अब्राहमिक वादे को पूरा करता है कि वह पूरी दुनिया में जाएगा

और अब्राहम अब्राहमिक वाचा के हिस्से के रूप में सभी राष्ट्रों के लिए एक आशीर्वाद होगा और साथ ही वह वाचा भी जो दाऊद को सिंहासन पर दी गई थी। लेकिन लूका में यह अलग है, लूका एक गैर-यहूदी है। वह जीवन पर यहूदी दृष्टिकोण से बहुत जुड़ा हुआ नहीं है, हालाँकि वह पॉल के साथ काफी समय तक रहा था, उसने शायद कुछ सीखा होगा, लेकिन ल्यूक के साथ आपको वंशावली मिलती है जो न केवल डेविड या अब्राहम तक जाती है, बल्कि डेविड 1000 और अब्राहम 2000 ईसा पूर्व के लिए क्रमशः 2000 ईसा पूर्व और 1000 ईसा पूर्व तक जाती है, लेकिन ल्यूक की पुस्तक के साथ वह आदम तक वापस जाता है। वह उन्हें दिखाता है कि मसीह मनुष्य है, जो आदम तक वापस जाता है। इसलिए मुझे लगता है कि यह दिलचस्प है।

आपको यीशु की एक और प्रारंभिक कहानी भी मिलती है, जब यीशु बारह वर्ष के थे, तो वे उन्हें शायद बार मिट्जवा के लिए लाए थे और वे मंदिर में आए और क्या आपको याद है कि उनके माता-पिता ने उन्हें छोड़ दिया था और वे मंदिर में ही रह गए थे और जब वे वापस आए और जब उन्होंने उन्हें देखा तो वे बारह वर्ष की उम्र में मंदिर में शिक्षा दे रहे थे। उनके माता-पिता चौंक गए और उन्होंने कहा, "अरे, हम तुम्हें हर जगह ढूँढ रहे थे, तुम कहाँ थे?" और उन्होंने कहा, "तुम्हें पता है कि मुझे अपने पिता के काम से काम रखना है।" बारह वर्ष की उम्र में यह कहानी, ऐसी अनोखी कहानियों में से एक है जो कहीं और नहीं मिलती। यह ल्यूक की पुस्तक में पाई जाती है। ल्यूक मसीह की मानवता पर जोर देता है और हमें बताता है कि जब मसीह 12 वर्ष के थे तो वे मंदिर में क्या कर रहे थे।

ई. मसीह की मानवता - आराधनालय और भावनाएँ [10:01-12:27]

यहाँ एक और है जो उल्लेख करता है, "जैसा कि उसका रिवाज था" अध्याय 4 पद 16 में "जैसा कि मसीह का रिवाज था, वह आराधनालय में था।" इसलिए हर शब्बत, हर शुक्रवार रात से शनिवार तक, यहूदी आराधनालय की सेवाओं में यीशु वहाँ था। मुझे लगता है कि लूका अध्याय 4 पद 16 में यह श्लोक कि यीशु आराधनालय में था जैसा कि उसका रिवाज था, मुझे लगता है कि यह हमारे लिए भी महसूस करने के लिए एक महत्वपूर्ण बात है। मुझे पता है कि जब मैं छोटा था तो मुझे कभी-कभी चर्च जाने में संघर्ष करना पड़ता था। और कभी-कभी मैं चर्च जाता और कहता, "मैं

वास्तव में यहाँ कुछ भी नहीं सीख रहा हूँ," और फिर मैं चर्च की धारणा को कम आंकता। लेकिन यहाँ आप यीशु को आराधनालय जाते हुए देख सकते हैं और मैं कह सकता हूँ कि यीशु शायद इस समय तक रब्बी से कहीं ज़्यादा जानते थे और फिर भी यीशु हर हफ़्ते आराधनालय जाते हैं। मुझे लगता है कि यह एक महत्वपूर्ण बात है और यह उनकी जीवन की आदतों को जानना है। यदि यीशु स्वयं नियमित रूप से परमेश्वर के लोगों के साथ रहने के लिए आराधनालय में जाते थे, तो मुझे लगता है कि हमें भी साप्ताहिक आधार पर परमेश्वर के लोगों के साथ रहना चाहिए। तो यह ल्यूक है, यीशु आराधनालय में थे, जैसा कि उनका रिवाज था।

ल्यूक के पास भी कुछ बहुत ही सुंदर कथन हैं, जहाँ यीशु जैतून के पहाड़ पर चढ़ते हैं और यरूशलेम की ओर उतरते हैं और जैसे ही वे जैतून के पहाड़ की पहाड़ी से उतरते हैं, यह मूल रूप से कहता है कि यीशु यरूशलेम पर रोए। "हे यरूशलेम, हे यरूशलेम, तुमने भविष्यद्वक्ताओं को मार डाला है। मैं तुम्हें ऐसे इकट्ठा करता जैसे एक माँ मुर्गी अपने चूज़ों को इकट्ठा करती है, लेकिन तुमने ऐसा नहीं किया।" इसलिए यीशु यरूशलेम के लिए अपनी करुणा दिखाते हैं, यह जानते हुए कि वह वहाँ मरने जा रहे थे। जैसे यरूशलेम ने भविष्यद्वक्ताओं को मार डाला, अब यह उसे भी मार देगा और यह जानते हुए कि वहाँ चलते हुए, लेकिन आप उनकी महान करुणा देखते हैं।

आप गेथसेमेन के बगीचे में यीशु की पीड़ा को देख सकते हैं, जो प्रार्थना कर रहे थे, "पिता इस प्याले को मुझसे दूर कर दो, पिता इस प्याले को मुझसे दूर कर दो।" फिर यहूदा आकर गेथसेमेन के बगीचे में जैतून के पहाड़ के नीचे जैतून के बागों में उसे धोखा देता है। लूका ने यीशु की इन मानवीय कहानियों में से बहुत कुछ उठाया है और यह वास्तव में अद्भुत है, बिल्कुल अद्भुत है कि लूका ने इसे उठाया है। इसलिए लूका की पुस्तक में मसीह की मानवता पर जोर दिया गया है और यह एक अच्छी बात है।

एफ. विशिष्ट चमत्कार - नैन की विधवा [12:27-15:56]

अब, यहाँ डी पर, लूका हमें बहुत सी अनूठी सामग्री, विशिष्ट सामग्री प्रदान करता है, और हमारे पास सत्रह दृष्टांत हैं जो अद्वितीय हैं। हम एक मिनट में दृष्टांतों के बारे में और बात करेंगे, लेकिन उसके पास सत्रह दृष्टांत हैं जो उसके लिए अद्वितीय हैं। साथ ही, चमत्कार, ऐसे कई

चमत्कार हैं। लूका में अध्याय 9 से 18 में सत्रह दृष्टांत हैं जो मुख्य रूप से अद्वितीय हैं। लूका में 9 से 18 तक के उस भाग में बहुत सी अनूठी सामग्री है। छह चमत्कार हैं जो उसके लिए अद्वितीय हैं और आपके पास मछलियाँ पकड़ना, अपने शिष्यों को जाल डालने के लिए कहना और उनके पास बड़ी मात्रा में मछलियाँ पकड़ना जैसी चीज़ें हैं। नैन के बेटे की विधवा और मैं इसे देखना चाहते हैं और देखना चाहते हैं कि लूका किस प्रकार की चीज़ों को उठाता है। यह लूका 7:11 में है, यह कहता है, "इसके तुरंत बाद यीशु नैन नामक एक शहर में गया और उसके शिष्य और एक बड़ी भीड़ उसके साथ चल रही थी। जब वह शहर के पास पहुँचा तो एक मृत व्यक्ति को ले जाया जा रहा था।" ठीक है, तो इस आदमी को शहर से बाहर निकाला जा रहा है, वह मर चुका है। वे उसे दफनाने जा रहे हैं और यह कहता है कि अब देखो ल्यूक यहाँ क्या उठाता है। अब वह अकेला है जो इस पुनरुत्थान की कहानी को उठाता है लेकिन वह कहता है कि यह व्यक्ति जो मर चुका है वह अपनी माँ का इकलौता बेटा था, और वह एक विधवा थी। ल्यूक इस तथ्य को उठाता हुआ प्रतीत होता है कि यहाँ एक ज़रूरतमंद महिला है। उसका पति चला गया है, वह एक विधवा है; वह उस संस्कृति में कमज़ोर है। वह एक विधवा है, ल्यूक इसे उठाता है। वह सिर्फ़ यह नहीं कहता कि एक महिला ने अपना बच्चा खो दिया। वह कहता है, "नहीं, यह महिला विधवा है। इसलिए वह अपने पति को पहले ही खो चुकी है और अब यह भी ध्यान दें कि वह यह भी बताता है कि उसका बेटा मर चुका है। आम तौर पर हम यह स्वीकार करते हैं कि हमें नहीं पता कि उसके और बच्चे हैं या नहीं या फिर क्या मामला है। उसकी देखभाल कौन कर रहा है? लेकिन ध्यान दें, इसमें कहा गया है कि यह बच्चा जो मर गया है, यह युवक जो मर गया है, उसका इकलौता बेटा है। ल्यूक एक विधवा माँ के इकलौते बच्चे के बारे में बताता है। ल्यूक आपको इस तरह के विवरण देता है। इसलिए ल्यूक में, यह वह विशेष विवरण है जो वह आपको देता है, और यहाँ यह पूरी कहानी बस अद्भुत है। "शहर से एक बड़ी भीड़ उसके साथ थी और प्रभु ने उसे देखा, उसका दिल उसके लिए पसीज गया और उसने कहा, 'रोओ मत।'" आप कहते हैं, "यह बहुत अच्छी सलाह नहीं है।" आप जानते हैं कि आप किसी ऐसे व्यक्ति के पास जाते हैं जिसका बच्चा अभी-अभी मरा है और आप कहते हैं 'मत रोओ', यही हमें काउंसलिंग में बताया जाता है। आप ऐसा नहीं करते। आप सुनते हैं कि जब कोई रो रहा है, तो आप क्या करते हैं? आप उन्हें रोने के लिए नहीं कहते, आप उनके साथ रोते हैं। लेकिन यीशु ऊपर आते

हैं, "मत रोओ," क्योंकि आप जानते हैं कि वह क्या करने जा रहे हैं। फिर वह ऊपर गए और ताबूत को छुआ और जो लोग इसे ले जा रहे थे वे स्थिर हो गए, उन्होंने कहा "युवक, मैं तुमसे कहता हूँ उठो।" और यहाँ आप देख सकते हैं कि यीशु अब इस मृत बच्चे से कह रहे हैं जो दो दुनियाओं के बीच बात कर रहा है यह लड़का मर चुका है लेकिन यीशु दूसरी दुनिया से बात करते हैं और कहते हैं, "अरे, अरे, उस दूसरी दुनिया से वापस आ जाओ। तुम इस शरीर में वापस आओ, उठो। और इस तरह आपको यीशु की जबरदस्त पुनरुत्थान शक्ति मिलती है, मृत व्यक्ति उठ बैठा और बात करने लगा और यीशु ने उसे उसकी माँ को वापस दे दिया। यह यीशु की सुंदर करुणा है। यीशु इस चमत्कार का उपयोग करते हैं और इस युवक को वापस लाते हैं - यह एक अद्भुत कहानी है। लूका इस तरह की बातों का ब्योरा देता है और हमें विशेष विवरण बताता है।

जी. विशिष्ट जन्म कथाएँ – चरवाहे और एलिजाबेथ [15:56-18:37]

सी: संयुक्त जीआई; 15:56-32:00; अलग-अलग जन्म कहानियाँ

यहाँ कुछ अन्य कहानियाँ हैं, जन्म की कहानियाँ। सुसमाचारों में कई बार हमें यीशु के जन्म की कहानियाँ मिलती हैं। हम में से अधिकांश लोग मैथ्यू की कहानियों से परिचित हैं। हेरोदेस और बुद्धिमान पुरुष, "यहूदियों का राजा कहाँ पैदा हुआ है?" और फिर वह उन्हें बेथलेहम भेजता है और ज्योतिषी अपना सोना, लोबान और गंधरस लेकर यीशु के पास आते हैं। यूसुफ और मरियम मिस्र चले जाते हैं और वे वापस नहीं आ सकते क्योंकि हेरोदेस यीशु को मारने जा रहा है। हेरोदेस बेथलेहम में शिशुओं को मारता है। लूका ने ज्योतिषियों की उस कहानी को दर्ज नहीं किया है। वास्तव में ज्योतिषियों की कहानी, बुद्धिमान पुरुषों की कहानी शायद कुछ साल बाद हुई। तो यहाँ जो हो रहा है वह यह है कि लूका आपको बताता है कि मौके पर सबसे पहले कौन है और यह पता चलता है कि यीशु के जन्म के समय खेत में चरवाहे थे। स्वर्गदूत चरवाहे के पास आए और कहा, "बेथलेहम जाओ और देखो कि दाऊद के शहर में क्या पैदा हुआ है।" मीका 5:2, यीशु का जन्म यहूदिया के बेथलेहम में होगा। इसलिए चरवाहे आते हैं। चरवाहों का उल्लेख मैथ्यू की पुस्तक या अन्य जन्म कथाओं में नहीं है। मार्क ने इसे दर्ज नहीं किया है। जॉन ने इसे दर्ज नहीं किया है। लूका ने चरवाहों की कहानियाँ अकेले ही लिखी हैं।

इसी तरह एलिज़ाबेथ और जकारिया के साथ, जॉन द बैपटिस्ट के माता-पिता का उल्लेख केवल लूका में ही मिलता है। अन्य सुसमाचार लेखकों में हम जॉन द बैपटिस्ट के बारे में पढ़ते हैं जो रेगिस्तान में बाहर था और टिड्डे और जंगली शहद खा रहा था, और संदेश की घोषणा कर रहा था, "देखो, परमेश्वर का मेमना जो जगत का पाप उठा ले जाता है।" इसलिए हमें जॉन द बैपटिस्ट के बारे में ये कथन तब मिलते हैं जब वह अपने मंत्रालय के साथ पूरी तरह खिल चुका होता है। लेकिन लूका की पुस्तक में यह एलिज़ाबेथ और जकारिया को उठाता है और हमें बताता है कि वे जॉन द बैपटिस्ट के माता-पिता हैं। जॉन द बैपटिस्ट के पिता ने स्पष्ट रूप से विश्वास नहीं किया जब स्वर्गदूत ने इसकी घोषणा की, इसलिए वह मारा गया, इसलिए वह तब तक बोल नहीं सका जब तक कि बच्चा पैदा नहीं हुआ। फिर मरियम एलिज़ाबेथ और जॉन द बैपटिस्ट के माता-पिता जकारिया और एलिज़ाबेथ के पास जाती है और यह कहता है कि बच्चा उसके गर्भ में उछल पड़ा और इसलिए आपको लूका में कुछ दिलचस्प जन्म की कहानियाँ मिलती हैं। जॉन द बैपटिस्ट का जन्म यीशु के जन्म के साथ मेल खाता है और उनकी उम्र के मामले में वे एक-दूसरे से कुछ ही महीने के भीतर थे। जॉन द बैपटिस्ट का, निश्चित रूप से, बाद में सिर कलम किया जाएगा। यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला एलिय्याह बनने जा रहा है, यीशु इसकी घोषणा करेंगे। लेकिन आप यूहन्ना के जन्म की कहानियाँ कहीं और नहीं सुनते। लूका ने जकर्याह और एलिज़ाबेथ की इन दिलचस्प कहानियों के ज़रिए इसे आगे बढ़ाया। इसलिए लूका ने यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले की ये जन्म कहानियाँ दीं।

एच. विशिष्ट जन्म कहानियाँ—शिमोन [18:37-21:38]

फिर एक बूढ़ा आदमी शिमोन है। मुझे शिमोन की कहानी बहुत पसंद है और मैं उसके बारे में पढ़ना चाहता हूँ। वह एक बूढ़ा बूढ़ा आदमी है जो यरूशलेम में रहता है। यहाँ लूका 2:25 और उसके बाद का भाग है। “अब यरूशलेम में शिमोन नाम का एक आदमी था जो धर्मी और भक्त था। वह इस्राएल की सांत्वना की प्रतीक्षा कर रहा था और पवित्र आत्मा उस पर था।” अब हम पहले ही कह चुके हैं, आप देखिए यहाँ एक आदमी शिमोन है, वह यरूशलेम में है, पवित्र आत्मा उस पर है इसलिए हमारे पास यहाँ पहले से ही पवित्र आत्मा है। पवित्र आत्मा लूका के विषयों में से एक है। तो यह ठीक बैठता है। “पवित्र आत्मा द्वारा उसे यह बताया गया था कि वह प्रभु के मसीह को देखने से

पहले नहीं मरेगा।" ठीक है, तो पवित्र आत्मा ने उससे कहा, तुम मरने वाले नहीं हो, तुम मरने से पहले प्रभु के मसीह को देखने जा रहे हो। वह एक बूढ़ा आदमी है, वह मृत्यु की प्रतीक्षा कर रहा है। "आत्मा से प्रेरित होकर, वह मंदिर के प्रांगण में गया और जब माता-पिता बालक यीशु को उसके लिए वह करने के लिए लाए जो व्यवस्था की रीति थी," अब वह क्या था? व्यवस्था की क्या आवश्यकता थी? उन्हें आठवें दिन जाना था, आपको अपने लड़के का खतना करवाना था। तो वह वहाँ गया और शिमोन ने उसे अपनी बाहों में लिया और परमेश्वर की स्तुति करते हुए कहा, "प्रभु प्रभु, जैसा कि आपने वादा किया है, अब अपने सेवक को शांति से विदा करें।" "अब विदा करें" वास्तव में लैटिन *नन्क डिमिटिस में है* और इस आदमी शिमोन के बारे में लैटिन में वास्तव में एक छोटी सी कहावत है। तो अब वह उस बालक यीशु को पकड़ता है जो खतने के लिए आ रहा है और वह कहता है, "अब मैं शांति से विदा हो सकता हूँ।" तो यह फिर से ल्यूक की पुस्तक से जन्म की कहानी है जो आपको कहीं और नहीं मिलती। शिमोन कहीं और नहीं पाया जाता है, यह जन्म की कहानी केवल ल्यूक की पुस्तक में है। तो वह इन प्रारंभिक जन्म जैसी चीजों के प्रति संवेदनशील लगता है। कुछ लोगों को लगता है कि यह भी संभव है कि वह एक डॉक्टर है और इसलिए वह जन्म के बारे में जानता है। यदि आप कभी बच्चों के जन्म के समय गए हैं, तो जन्म और मृत्यु वास्तव में महत्वपूर्ण घटनाएँ हैं। ऐसी चीजें जो आप अपने बच्चों के जन्म और माता-पिता और भाई-बहनों की मृत्यु के संदर्भ में अपने जीवन के बाकी हिस्सों में याद करते हैं। आप मृत्यु के साथ-साथ जन्म को भी याद करते हैं, वे मानवीय घटनाएँ हैं जिनका लोगों के लिए बहुत बड़ा अर्थ होता है। लूका ने शिमोन के साथ इस पर चर्चा की। "अब चले जाओ," क्योंकि तुमने शिशु यीशु को देखा है। "क्योंकि मेरी आँखों ने तुम्हारा उद्धार देखा है जिसे तुमने सभी लोगों की दृष्टि में तैयार किया है। अन्यजातियों के रहस्योद्घाटन और अपने लोगों इस्राएल की महिमा के लिए एक ज्योति।" बच्चे के पिता और माता ने उसकी बातों पर आश्चर्य किया।" तो यहाँ आपको यूसुफ और मरियम के अंदर की बात मिलती है जब उनका बच्चा पाया जाता है तो वे निश्चित नहीं होते कि यह सब क्या हो रहा है। पिता और माता ने शिमोन द्वारा यीशु के बारे में कही गई बातों पर आश्चर्य किया। तो यहाँ आपको यीशु का यह प्रारंभिक कथन मिलता है जब वह मंदिर में आठ दिन का था।

I. विशिष्ट जन्म कहानियाँ: अन्ना [21:38-25:23]

यहाँ एक और है: अन्ना। अन्ना एक बुजुर्ग महिला हैं। तो चलिए मैं उनके बारे में थोड़ा पढ़ता हूँ। अन्ना, यह लूका अध्याय 2:36 और उसके बाद का है। वह एक भविष्यवक्ता भी हैं। अब हमने बात की है, आप में से कई लोगों ने मुझे पुराने नियम के लिए बुलाया है और हमने पुराने नियम में भविष्यवक्ता के बारे में बात की है, एक भविष्यवक्ता एक पुरुष भविष्यवक्ता होता है, जैसे यशायाह, यिर्मयाह, यहजकेल, होशे, योना, अन्य भविष्यवक्ता जिन्होंने बात की थी एलिजा और एलीशा राजाओं में प्रसिद्ध थे। लेकिन, भविष्यवक्ता के बारे में क्या? महिलाओं ने परमेश्वर का वचन बोला, "यहोवा ने ऐसा कहा है।" एक भविष्यवक्ता क्या करता है? कहो, "यहोवा ने ऐसा कहा है" और इसलिए हमें महिला भविष्यवक्ता मिलती हैं। जब मैं महिला भविष्यवक्ता के बारे में पूछता हूँ, तो कई लोगों के दिमाग में एक बात आती है, वह है न्यायियों 4-5 में डेबोरा। न्यायियों 4 में कहा गया है कि डेबोरा एक भविष्यवक्ता थी, जो लैपिडोथ की पत्नी थी। तो वह एक विवाहित महिला थी जो एक भविष्यवक्ता थी और उस समय वह इस्राएल का नेतृत्व कर रही थी। वह डेबोरा के ताड़ के पेड़ के नीचे न्याय कर रही थी। वह एक न्यायाधीश थी, और वह एक भविष्यवक्ता थी। उसने परमेश्वर का वचन बोला और उसने इस्राएल पर निर्णय भी दिया। वह इस्राएल का नेतृत्व कर रही थी जैसा कि न्यायियों 4 में कहा गया है। न्यायियों 5 में गीत में बाराक और सीसरा के साथ लड़ाई, हासोर के राजा याबीन और उन प्रकार की चीजें हैं जिनके बारे में हमने पहले बात की थी। लेकिन फिर एक और भविष्यवक्ता है जो प्रसिद्ध है, जो हिजकिय्याह के आसपास के समय और उसके बाद और योशियाह के समय से अधिक आती है। इसलिए यदि आप राजाओं में देखें तो आपको यह हुल्दा, भविष्यवक्ता हुल्दा मिलेगी। आज भी जब आप यरूशलेम जाते हैं और आप दक्षिणी दीवार की खुदाई में जाते हैं, तो आपको दीवार में तीन द्वार दिखाई देंगे और वे उन्हें हुल्दा द्वार कहते हैं। तो हुल्दा एक भविष्यवक्ता थी, बेबीलोन में बंदी बनाकर ले जाए जाने से ठीक पहले।

तो अब यहाँ एक भविष्यवक्ता है। एक भविष्यवक्ता अन्ना भी थी, जो आशेर के गोत्र के फनूएल की बेटी थी। वह बहुत बूढ़ी थी। वह अपनी शादी के बाद सात साल तक अपने पति के साथ रही।" तो वह शादीशुदा थी इसलिए वह सात साल तक अपने पति के साथ रही और फिर विधवा हो गई। आप इसे फिर से उठाते हैं? ल्यूक इस तथ्य को उठा रहा है कि वह एक विधवा है। वह एक

बुजुर्ग विधवा है। इसमें कहा गया है कि वह 84 साल की उम्र तक विधवा थी। उस संस्कृति में 84 साल की उम्र बहुत पुरानी है। यह हमारी संस्कृति में भी पुरानी बात है, मेरी माँ ने हाल ही में 80 साल पूरे किए हैं और यह कुछ है, लेकिन यह महिला 84 साल की है और आधुनिक चिकित्सा के बिना उस संस्कृति में, यह वास्तव में कुछ था। लेकिन वह सात साल तक शादीशुदा रही और फिर वह सारा समय बिना पति के रही। वह 84 साल की थी। “वह कभी मंदिर से बाहर नहीं गई, बल्कि दिन-रात पूजा करती रही, उपवास करती रही और प्रार्थना करती रही। उसी क्षण उनके पास आकर उसने भगवान को धन्यवाद दिया और उन सभी से बच्चे के बारे में बात की जो यरूशलेम के छुटकारे की प्रतीक्षा कर रहे थे।” तो अन्ना आती है और उनसे बात करती है। वह एक भविष्यवक्ता है, वह मसीह बच्चे के बारे में बात करती है और आपको शिमोन और अन्ना की कहानी मिलती है, दो बूढ़े लोग शिशु यीशु का अभिवादन करते हैं। यह वास्तव में बहुत बढ़िया है और ल्यूक ने इसे उठाया है। उनके पास एक वास्तविक मानवीय स्पर्श है जहाँ आप इन बूढ़े लोगों को बच्चों को उठाते हुए पाते हैं और इसलिए आप इसे अक्सर एक सामान्य परिवार में देखते हैं जहाँ दादा बच्चे को उठाते हैं और बच्चे के लिए यह बहुत खास बात होती है कि दादाजी बच्चे को उठाते हैं लेकिन फिर दादा, दादी भी बच्चे को उठाते हैं। आपको पीढ़ियों के दोनों छोर मिलते हैं। ल्यूक इसे उठाता है और यह वास्तव में बहुत बढ़िया है। ल्यूक इन विवरणों को उठाता है।

जे. लूका के प्रसिद्ध दृष्टांत—भला सामरी और उड़ाऊ पुत्र [25:23-28:44]

डी: जेके को मिलाएं; 25:23-32:00; लुकान दृष्टान्त

अब, दृष्टांत, सत्रह दृष्टांत हैं जो लूका के लिए अद्वितीय हैं। लूका इन दृष्टांतों को उठाता है और मैं उन दृष्टांतों के संदर्भ में थोड़ा सा जांचना चाहता हूँ जो अद्वितीय हैं और जिन्हें मैं आपको बताना चाहता हूँ। ये प्रसिद्ध दृष्टांत हैं और वे केवल लूका में पाए जाते हैं। ये दृष्टांत केवल लूका में पाए जाते हैं। पहला दृष्टांत है अच्छे सामरी का। हम इसके बारे में कुछ ही मिनटों में यहाँ और बात करेंगे लेकिन अच्छे सामरी का दृष्टांत। यह एक प्रसिद्ध दृष्टांत है जो केवल लूका में पाया जाता है। यह एक ऐसा दृष्टांत है जिसे आपको जानना चाहिए। यह एक प्रसिद्ध दृष्टांत है। हम इसके बारे में बाद में और बात करेंगे लेकिन यह एक प्रसिद्ध दृष्टांत है। अमीर मूर्ख के खलिहान, यह अच्छे सामरी के स्तर का नहीं है लेकिन अमीर मूर्ख के खलिहान है। यह आदमी अमीर है, वह हर चीज पर

विचार करता है। वह बड़े खलिहान बनाने जा रहा है और भगवान कहते हैं, "अरे, यह बहुत अच्छा नहीं होने वाला है क्योंकि आज रात तुम्हारी आत्मा की आवश्यकता होगी," और जब तुम मर जाओगे, जैसा कि वे कहते हैं, तो तुम इसे अपने साथ नहीं ले जा सकते। इसलिए, भविष्य के लिए ये सभी योजनाएँ और फिर बड़े खलिहान बनाना व्यर्थ है। वह मरने जा रहा है और यह दर्शाता है कि अमीर मूर्ख का खलिहान व्यर्थ है।

यहाँ एक और प्रमुख दृष्टांत है, यह उड़ाऊ पुत्र का दृष्टांत है। 60 और 70 के दशक में मेरी पीढ़ी के एक गायक थे, जिनका नाम कीथ ग्रीन था। कीथ ग्रीन के पास उड़ाऊ पुत्र पर गाया गया लगभग 15 मिनट का एक गीत है, जिसमें एक उड़ाऊ पुत्र अपने पिता के पास आता है और कहता है कि पिताजी मुझे धन दीजिए और मुझे मेरी सारी विरासत दे दीजिए और फिर यह बच्चा चला जाता है और विरासत को बरबाद कर देता है और फिर वह सूअरों के साथ खाना खाने लगता है, वह तब तक मौज-मस्ती करता है जब तक उसके पास उसके पिता द्वारा दिए गए पैसे होते हैं। वह पार्टी करता है, पार्टी करता है, पार्टी करता है और फिर उसके पास पैसे खत्म हो जाते हैं। जब उसके पास पैसे खत्म हो जाते हैं, तो उसके पास दोस्त भी नहीं होते। यहाँ संबंध पर ध्यान दें। जब उसके पास पैसे खत्म हो जाते हैं, तो उसके पास दोस्त भी नहीं होते। इसलिए, अब वह सूअरों के साथ खा रहा है और उसे एहसास हो रहा है कि सूअरों का यह खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। वैसे, आप सूअरों के साथ खाना खाते हैं और फिर आपको यहूदी धर्म और सूअरों के साथ खाने की कई तरह की कल्पनाएँ मिलती हैं। यहूदी लोग सूअर का मांस नहीं खाते, जाहिर है यह कोषेर नहीं है, हैम भी कोषेर नहीं है।

तो यहाँ एक आदमी इस हद तक गिर गया है कि वह सूअरों के साथ खाना खा रहा है और वह कहता है, "अरे, मैं वापस जाऊँगा और अपने पिता के पास जाऊँगा क्योंकि मेरे पिता के घर में नौकरों को भी इससे बेहतर खाना मिलता है।" तो वह वापस चला जाता है और फिर पिता बाहर भागता है, उसका स्वागत करता है। पिता बेटे को एक लबादा पहनाता है, उसके लिए एक पार्टी आयोजित करता है। पिता उसके लिए मोटा मेमना मारता है।

फिर अचानक आपको बड़ा भाई मिलता है और वह बड़ा भाई जो इस पूरे समय वफादार रहा है, ईर्ष्यालु हो जाता है और कहता है, "तुमने मेरे लिए कभी इस तरह की पार्टी नहीं की।" तो

आपको इस तरह का बड़ा भाई मिलता है, जिसे कई लोग फरीसियों का प्रतीक कहेंगे, जो जब कोई पश्चाताप करता है और वापस आता है तो वे अपने पिता की खुशी में भाग नहीं ले पाते। पिता होने के नाते परमेश्वर इस उड़ाऊ पुत्र को वापस स्वीकार करता है और इसलिए कुछ अर्थों में हम सभी उड़ाऊ पुत्र हैं। तो परमेश्वर द्वारा खुली बाहों से स्वागत करना इस बात का एक अद्भुत चित्र है कि हम, हम अक्सर अपने तरीके से चलते हैं और बुरे काम करते हैं और परमेश्वर के पास वापस आते हैं और वह हमें प्यार भरी बाहों से माफ़ करता है और गले लगाता है। जैसा कि हम कहते हैं, 99 भेड़ें हैं और एक खोई हुई है और वह बाहर जाता है और खोई हुई को ढूँढ़ता है और बचाता है। तो यह उड़ाऊ पुत्र है, खोया हुआ पुत्र। यह एक दृष्टांत है जिसे आपको जानने की ज़रूरत है, उड़ाऊ पुत्र, साथ ही अच्छे सामरी।

के. प्रसिद्ध दृष्टांत—विधवा, लाज़र और कर संग्रहकर्ता [28:44-32:00]

विधवा और न्यायाधीश की कहानी एक विधवा के बारे में है। हम इसे प्रार्थना के अंतर्गत देखेंगे, लेकिन यह विधवा मूल रूप से न्यायाधीश को परेशान करती है और बस यही कहना चाहती है, परेशान करती है और परेशान करती है। परेशान करने में क्या समस्या है। परेशान करना कारगर है, इसीलिए लोग ऐसा करते हैं और इसलिए यह महिला बस इस न्यायाधीश को परेशान करती है और परेशान करती है और न्यायाधीश अंततः कहता है, "आप जानते हैं, मुझे भगवान का डर नहीं है; मुझे मनुष्य का डर नहीं है। यह महिला परेशान कर रही है और मुझे थका रही है, इसलिए मैं उसे न्याय दूंगा ताकि वह मेरी पीठ से हट जाए।" फिर कहानी पलटती है और कहती है कि अगर हम इस महिला, इस विधवा की तरह दृढ़ता के साथ उसके पास आते हैं, तो हमारा स्वर्गीय पिता हमें कितना अधिक देगा जो हम चाहते हैं। फिर से ध्यान दें कि न्यायाधीश के पास कौन आता है, यह एक विधवा महिला है। एक महिला जिसने अपने पति को खो दिया है, उस संस्कृति में बहुत कमजोर है। वह न्यायाधीश के पास आती है, न्यायाधीश को उसे न्याय देने की आवश्यकता नहीं होती क्योंकि वह प्रतिष्ठा की दृष्टि से निचले पायदान पर है, तथापि, उसके आग्रह के कारण उसे वह मिल जाता है जो वह चाहती है और इसलिए यह प्रार्थना का एक उदाहरण है।

अब, अच्छे सामरी, आपको यह जानने की ज़रूरत है। उड़ाऊ पुत्र एक बड़ा दृष्टांत है, यहाँ

दूसरा बड़ा दृष्टांत यह लाज़र और दिवेज़ है। हम ल्यूक की पुस्तक में नरक की धारणा के बारे में बात करने जा रहे हैं और यह लाज़र और दिवेज़ नोटिस - वास्तव में यह दिवेज़, वास्तव में कथा में नामित नहीं है और एक अमीर आदमी है और अमीर आदमी दिवेज़ और लाज़र है। लाज़र एक गरीब भिखारी है जो उस आदमी से भोजन माँगने आता है और उसकी मेज के नीचे गिरने वाले टुकड़ों को खाता है। लाज़र एक भिखारी है। यह उस लाज़र से अलग है जिसे यीशु मृतकों में से जीवित करता है। यह एक दृष्टांत है। यह दिलचस्प है, लाज़र, गरीब आदमी, का नाम दिया गया है, लेकिन अमीर आदमी का नाम नहीं दिया गया है, हालाँकि चर्च ने उसे बाद में यह नाम दिवेज़ दिया है, लेकिन पाठ में उसका नाम नहीं दिया गया है। जो होता है वह यह है कि वे दोनों मर जाते हैं इसलिए लाज़र इस जीवन में गरीब है और अमीर आदमी अमीर है। वे मर जाते हैं और भूमिकाएँ उलट जाती हैं और इसलिए अमीर आदमी अब नरक में है और लाज़र अब्राहम की गोद में स्वर्ग में है। अमीर आदमी पूछना शुरू करता है और हम इसे थोड़ी देर बाद भी देखेंगे जब हम स्वर्ग और नरक के बारे में बात कर रहे होंगे। वह लाज़र से पूछता है, "क्या तुम मुझे उसमें से थोड़ा पानी दोगे? मैं यहाँ जलकर मर रहा हूँ।" वह पहले से ही मर चुका है इसलिए वह जल रहा है और वह कहता है, "मैं वापस जाना चाहता हूँ और अपने भाइयों को इस जगह के बारे में बताना चाहता हूँ ताकि वे यहाँ न आएँ। वापस जाओ और कृपया मेरे भाइयों को चेतावनी दो।" तो आपको मूल रूप से नरक के बारे में यह कहानी मिलती है। यहाँ नरक के बारे में एक दृष्टांत है और यह फिर से कहीं और नहीं मिलता है। यह एक प्रसिद्ध दृष्टांत है। ये शायद तीन सबसे प्रसिद्ध दृष्टांत हैं जिन्हें मैं आपको बताना चाहूँगा: अच्छा सामरी, उड़ाऊ पुत्र का दृष्टांत, और लाज़र और अमीर आदमी।

अगला दृष्टांत फरीसी और कर संग्रहकर्ता का है। यह प्रार्थना पर एक और दृष्टांत है और हम प्रार्थना के बारे में बात करते समय इस पर विचार करेंगे। फरीसी खुद से प्रार्थना करता है, वह इतना आत्म-धर्मी है कि वह भगवान का शुक्रिया अदा करता है कि वह दूसरे लोगों की तरह नहीं है और कर संग्रहकर्ता अपनी छाती पीटता है और कहता है, "हे प्रभु, मुझे पापी पर दया करो," और कर संग्रहकर्ता के मुँह से यीशु की प्रार्थना निकलती है। तो आप देख सकते हैं कि यहाँ किस तरह की स्थिति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

एल. यीशु ने दृष्टांतों का प्रयोग क्यों किया [32:00-34:26]

ई: संयुक्त एल.पी.; 32:00-47:34; यीशु और दृष्टांत

तो ठीक है, तो ये कुछ अनोखे दृष्टांत और बातें हैं और अब मैं दृष्टांतों पर नज़र डालना चाहता हूँ और इस बारे में थोड़ी बात करना चाहता हूँ कि दृष्टांत क्या है और आप दृष्टांत कहानियों की व्याख्या कैसे करते हैं? हमने उन्हें मत्ती 13 में भी देखा है, मत्ती 25 में भी और अब लूका में हम सत्रह अनोखे दृष्टांत देखते हैं जो सिर्फ लूका के लिए ही अद्वितीय हैं। तो यीशु ने दृष्टांतों का उपयोग क्यों किया? खैर, हमें अपनी कल्पना पर नहीं छोड़ा गया है, यीशु वास्तव में हमें बताते हैं कि वह दृष्टांतों का उपयोग क्यों करते हैं। मार्क 4:12 में वह यह कहते हैं: "जब वह अकेला था, तो बारह और उसके आस-पास के अन्य लोगों ने उससे दृष्टांतों के बारे में पूछा। उसने उनसे कहा, 'परमेश्वर के राज्य का रहस्य तुम्हें दे दिया गया है, लेकिन बाहर वालों को सब कुछ दृष्टांतों में कहा जाता है ताकि, 'वे हमेशा देखें और कभी न समझें।''" तो वे हमेशा देखेंगे लेकिन कभी न समझें और हमेशा सुनेंगे लेकिन कभी न समझें। इसलिए वे दृष्टांतों को सुनेंगे लेकिन वे यह नहीं समझेंगे कि यह क्या है। यीशु कहते हैं कि वे जानबूझकर दृष्टांतों में बोलते हैं ताकि अस्पष्टता हो जहाँ वे सुन तो लें लेकिन समझ न पाएँ और अन्यथा वे पलटकर क्षमा पा सकें। वास्तव में, यीशु वहाँ क्या कर रहे हैं, वे यशायाह अध्याय 6 श्लोक 9 को उद्धृत कर रहे हैं और जहाँ यशायाह को अपने बुलावे का उत्तर मिल रहा है, जहाँ सेराफिम अपने छह पंखों से परमेश्वर के चारों ओर उड़ रहे हैं और कह रहे हैं, "पवित्र, पवित्र, पवित्र सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर है।" ये सेराफिम और परमेश्वर की यह पवित्रता और यशायाह कहते हैं, "मैं अशुद्ध होठों वाला मनुष्य हूँ और अशुद्ध होठों वाले लोगों के बीच में रहता हूँ।" फिर परमेश्वर कोयला लेता है और उसे शुद्ध करता है और फिर परमेश्वर उसे नियुक्त करता है और फिर यशायाह 6 में यशायाह का महान आदेश है कि आप यशायाह के पास आएँगे और आप भविष्यवाणी करने जा रहे हैं, लेकिन वे लोग समझ नहीं पाएँगे। आप उन्हें चीज़ें दिखाने जा रहे हैं, फिर भी वे यह नहीं देख पाएँगे कि आप उन्हें क्या दिखा रहे हैं और फिर यीशु उसमें भाग लेते हैं। इसका मतलब यह है कि यीशु भविष्यवाणी की परंपरा में भाग ले रहे हैं। यीशु ही वह भविष्यवक्ता है जो बोलने और न समझे जाने की इस भविष्यवाणी की परंपरा में भाग लेने जा रहा है और वह यह जानता है। इसलिए दृष्टांतों का काम एक ही समय में प्रकट करना और छिपाना है।

एम. दृष्टांतों के चार प्रकार - उपमाएँ और उदाहरण [34:26-37:52]

अब, जो लोग दृष्टांतों का अध्ययन कर चुके हैं, उनके लिए चार अलग-अलग प्रकार के दृष्टांत हैं। पहला वह है जिसे उपमा कहा जाता है, और सभी दृष्टांत लगभग रूपकात्मक सोच पर आधारित होते हैं। रूपक क्या है? रूपक तब होता है जब आपके पास एक डोमेन होता है और आपके पास दूसरा अर्थ डोमेन होता है और इसलिए आप कहते हैं कि वह पानी की नदियों के किनारे लगाए गए पेड़ की तरह होगा। आप एक इंसान के बारे में बात कर रहे हैं, एक इंसान एक पेड़ की तरह कैसे हो सकता है? वह एक मौसम में फल लाता है और "उसका पत्ता मुरझाता नहीं है और वह जो कुछ भी करता है वह सफल होता है।" तो एक व्यक्ति एक पेड़ की तरह है, इसलिए यह रूपक है। आपके पास यहाँ एक व्यक्ति है और आपके पास यहाँ एक पेड़ है और यह इस रूपकात्मक तरीके से संबंधित है। एक दृष्टांत कुछ इसी तरह का होता है। तो एक उपमा दृष्टांत है, "स्वर्ग का राज्य सरसों के बीज की तरह है।" सरसों का बीज सबसे छोटे बीजों में से एक है। आप इसे जमीन में डालते हैं और यह एक बड़ा पेड़ बन जाता है और फिर पक्षी आते हैं और इसकी शाखाओं में घोंसला बनाते हैं। यह बड़ा पौधा सरसों के छोटे से बीज से उगता है। स्वर्ग का राज्य ऐसा ही है, यह छोटे से शुरू होता है, बड़ा होता जाता है और इसलिए स्वर्ग का राज्य ऐसा ही है और वह "जैसा" या "जैसा" जैसे कि "वह एक पेड़ की तरह होगा," इसे उपमा कहा जाता है। यह एक विशेष प्रकार का रूपक निर्माण है। उपमा में "जैसा" या "जैसा" का उपयोग किया जाता है। स्वर्ग का राज्य सरसों के बीज जैसा है। तो यह उपमा का प्रकार होगा। वे आम तौर पर छोटे होते हैं, लगभग एक पंक्ति के होते हैं जिसमें कहा जाता है कि राज्य सरसों के बीज जैसा है।

अब, दूसरा प्रकार एक उदाहरण कहानी है। एक उदाहरण कहानी वह है जिसमें दृष्टांत का संदेश है: अब मैं तुम्हें एक कहानी सुनाने जा रहा हूँ जब मैं कहानी समाप्त कर लूँ तो बाहर जाओ और वैसा ही करो। दूसरे शब्दों में, कहानी के नायक को लो और तुम भी वही करो जो उसने किया। कहानी के नायक को लो और जाओ और वैसा ही करो। तो वह कहता है कि मैं तुम्हें एक कहानी सुनाने जा रहा हूँ। कहानी यहाँ खत्म होने वाली है लेकिन मैं वास्तव में तुम्हारे बारे में बात कर रहा हूँ और इस दृष्टांत को एक उदाहरण के रूप में, एक मॉडल के रूप में उपयोग कर रहा हूँ। तो

उदाहरण कहानी का एक मॉडल अच्छे सामरी का दृष्टांत होगा। इस आदमी को पीटा जाता है। वह सड़क पर पड़ा है और एक पुजारी वहाँ से गुजरता है और पुजारी कहता है कि आप जानते हैं कि यह आदमी साफ नहीं है। "वह दूसरी तरफ से गुजरता है।" एक लेवी वहाँ से गुजरता है, एक शिक्षक, जो इज़राइल में कानून सिखाता है। वह आता है, इस आदमी को देखता है जिसे पीटा गया है। "वह दूसरी तरफ से गुजरता है।" तो वे सभी दूसरी तरफ से गुजरते हैं। अंत में, एक गंदा, धिनौना सामरी आता है जो एक आधा-अधूरा, बेकार व्यक्ति है, एक सामरी के द्वारा आता है। एक गंदा, बदबूदार सामरी आता है। सामरी उस व्यक्ति को देखता है जिसे पीटा गया है और सामरी को दया आती है और इसलिए वह अच्छा सामरी है। वह उस व्यक्ति को ले जाता है, उसके घावों पर पट्टी बांधता है, उसे सराय में ले जाता है, सराय के मालिक से कहता है, "तुम उसकी देखभाल करो, मैं तुम्हें जो भी खर्च आएगा वह दूंगा। जब वह ठीक हो जाएगा और जाने के योग्य हो जाएगा तो मैं वापस आकर तुम्हें पैसे दूंगा।" अच्छे सामरी का दृष्टांत तब समाप्त होता है। संदेश क्या है? हम इसे थोड़ी देर बाद देखेंगे, लेकिन आप जानते हैं कि पड़ोसी होने का क्या मतलब है और यह सामरी इस व्यक्ति का पड़ोसी है और इसलिए जाओ और वैसा ही करो। आपको सामरी की तरह होना चाहिए और जरूरतमंदों पर दया करनी चाहिए। इसलिए अच्छे सामरी की कहानी एक उदाहरण कहानी है। जाओ सामरी की तरह बनो, वही करो जो उसने किया।

N. चार प्रकार के दृष्टांत—वास्तविक और रूपक दृष्टांत [37:52-43:34]

अब, एक दृष्टांत है, जिसे मैं एक दृष्टांत कहूंगा और एक दृष्टांत एक कहानी है। यह एक कहानी बताता है और यह एक उदाहरण नहीं हो सकता है कि जाओ और वैसा ही करो, लेकिन यह एक ऐसी कहानी बताता है जहाँ यह परमेश्वर के राज्य के बारे में कुछ बताता है। उदाहरण के लिए, एक आदमी बाहर जाता है और एक शादी की दावत देता है और वह सभी को अपनी शादी की दावत में आने के लिए आमंत्रित करता है, लेकिन वे सभी वापस आ जाते हैं, RSVP वापस आ जाते हैं। "नहीं, हम आपकी शादी की दावत में नहीं जाना चाहते हैं और हम आना नहीं चाहते हैं।" तो वह क्या करता है, वह कहता है, "अरे, राजमार्गों और सड़कों पर जाओ और लोगों को खोजो और उन्हें शादी की दावत में लाओ। तो यह हमें कुछ बता रहा है कि स्वर्ग का राज्य इस शादी की दावत की

तरह है और बेटा शादी कर रहा है और इसलिए सभी को आमंत्रित करता है और एक आदमी आता है जो ठीक से कपड़े नहीं पहने हुए है और वे उसे बाहर निकाल देते हैं और इसलिए यह ऐसा दृष्टांत नहीं है कि जाओ और वैसा ही करो। यह हमें स्वर्ग के राज्य के बारे में कुछ बता रहा है कि यह निमंत्रण सभी को दिया जाएगा लेकिन लोग इसे अस्वीकार कर देंगे और वह राजमार्गों और सड़कों पर निकल जाएगा। जो लोग बेघर लोग हैं, जो लोग अच्छे नहीं हैं, वे उन लोगों को अंदर लाएंगे। वे लोग ही स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने जा रहे हैं न कि आमंत्रित किए गए मेहमान। तो यह एक सामान्य दृष्टांत कहानी होगी। यह ऐसा कुछ नहीं है जहाँ आप बाहर जाकर खुद ऐसा करते हैं लेकिन यह स्वर्ग के राज्य या ईश्वर के राज्य की प्रकृति के बारे में कुछ बताता है।

अंत में, यह रूपक प्रकार है। रूपक प्रकार और दृष्टांत प्रकार करीब हैं। हालांकि मुझे लगता है कि रूपक प्रकार अधिक है - और वास्तव में मैं इसके साथ जो उपयोग करना चाहता हूँ वह ल्यूक अध्याय 8 है जो मैथ्यू अध्याय 13 में समानांतर है। बीज का दृष्टांत जहाँ एक किसान बाहर जाता है और वह अपने बीज डालता है और जैसे ही वह अपने बीज डालता है, आपको चार परिदृश्य विकसित होते हैं और इसलिए यह एक रूपक है। रूपक का मतलब है कि यह सिर्फ एक कहानी नहीं है जो स्वर्ग के राज्य के बारे में आपके पास आ रही है जैसे कि यह आदमी है और यह सब इस ओर जाता है - कोई स्वर्ग के राज्य में कैसे प्रवेश करता है? दूसरे शब्दों में, दृष्टांत कहानियाँ एक बिंदु पर बहुत अधिक केंद्रित होती हैं। रूपक दृष्टांत में वास्तव में चार अलग-अलग चीजें होंगी जो यह यहाँ संप्रेषित कर रही हैं।

तो वह आदमी कुछ बीज फेंकता है और वे रास्ते पर गिर जाते हैं। जब वे रास्ते पर गिरते हैं तो उन्हें कुछ नहीं होता क्योंकि पक्षी आकर उन्हें छीन लेते हैं। बाद में यीशु उन्हें बताते हैं कि पक्षी जो इसे छीन लेते हैं, वे शैतान हैं। दुष्ट आकर छीन लेते हैं, इससे पहले कि परमेश्वर का वचन उनके हृदय में प्रवेश करे, इससे पहले कि वे परमेश्वर का वचन सुनें। वे कठिन मार्ग पर हैं, पक्षी इसे छीन लेते हैं, इसलिए यह बिल्कुल भी विकसित नहीं हो पाता है, इसलिए यह पहला प्रकार का बीज या मिट्टी है और वास्तव में बहुत से लोगों ने कहा कि बोने वाले के दृष्टांत को मिट्टी के दृष्टांत के रूप में बेहतर कहा जाता है क्योंकि चार अलग-अलग प्रकार की मिट्टी होती है, इसलिए कुछ बीज रास्ते पर गिरते हैं, पक्षी इसे छीन लेता है, दुष्ट इसे छीन लेता है, अन्य बीज चट्टान पर, पथरीली मिट्टी पर गिरते

हैं और इसलिए पथरीली मिट्टी में क्या समस्या है? आपको थोड़ी सी मिट्टी मिलती है और आपके पास नीचे चट्टानें होती हैं, इसलिए जड़ों के लिए पर्याप्त नहीं होती हैं। इसलिए जब सूरज उगता है तो यह इसे जला देता है और जड़ की गहराई नहीं होती जिससे यह पौधा अपनी नमी प्राप्त कर सके और इसलिए पौधे मर जाते हैं। वे वचन प्राप्त करते हैं, ये वे लोग हैं जो वचन प्राप्त करते हैं और यह एक अच्छी बात है और वे इसे खुशी से प्राप्त करते हैं लेकिन जब मुसीबत आती है, तो वे इसे संभाल नहीं पाते हैं। सूरज चमकता है और उन पर वार करता है। वे मुरझा जाते हैं और सूख जाते हैं और मर जाते हैं। इसलिए वे वचन को खुशी से प्राप्त करते हैं और फिर वे मर जाते हैं क्योंकि उनके पास कोई जड़ नहीं होती है और इसलिए यह दूसरी तरह की मिट्टी होगी, जो पथरीली मिट्टी पर होती है। फिर, आप दृष्टांत से परिचित हैं, और फिर कुछ खरपतवार और कांटों के बीच गिरता है और यह बढ़ता है और इसे प्राप्त होता है और इसे जीवन मिलता है, यह जीवित हो जाता है लेकिन कांटे और खरपतवार इसे दबा देते हैं और इसे मार देते हैं। यह तीसरा प्रकार है और यीशु कहते हैं कि कांटे और खरपतवार धन का धोखा हैं, इस जीवन और इस दुनिया की चीज़ों की लालसा, इन आँखों की अभिलाषा, जीवन का अभिमान और शरीर की अभिलाषा और इस दुनिया की चीज़ें डूब जाती हैं और इस तरह संदेश मारा जाता है, इस दुनिया की सुख-सुविधाओं के खरपतवार और कांटों द्वारा दबा दिया जाता है, व्यक्ति को परमेश्वर के राज्य से दूर कर देता है। फिर, अंत में, चौथे प्रकार की मिट्टी के बारे में कहा जाता है कि किसान ने अपनी मिट्टी डाली और उसमें से कुछ अच्छी, अच्छी मिट्टी पर गिरती है। वहाँ खरपतवार नहीं होते और बीज तब 60, 80, 100 गुना अधिक उपज देता है और वह अच्छी मिट्टी पर गिरता है। वह जो कह रहा है, वह यह है कि आप अच्छी मिट्टी बनना चाहते हैं।

तो आपको चार अलग-अलग तरह की मिट्टी मिल गई है और इसीलिए यह एक रूपक प्रकार है। यह एक पूर्ण विकसित रूपक नहीं है। जब मैं रूपक कहता हूँ तो आप शायद जॉन बनियन की *पिलग्रिम्स प्रोग्रेस* या सीएस लुईस की *क्रॉनिकल्स ऑफ़ नार्निया* या कुछ और या टोल्किन की *लॉर्ड ऑफ़ द रिंग्स* या कुछ और के बारे में सोचते हैं जहाँ एक ऐसी कहानी बताई गई है जो बहुआयामी है। यह एक दृष्टांत कहानी है जो एक रूपक है इसलिए मिट्टी के चार अलग-अलग प्रकार हैं। यह एकवचन नहीं है, यह अपने संदेश के संदर्भ में कई गुना है।

अब, इसमें कई बातें हैं। अब ये दृष्टांत ऐसे ही हैं, फिर से वे अपने मूल में रूपक हैं और उन्हें सरल उदाहरण कहानियों, राज्य की दृष्टांत कहानियों या जो भी हो और फिर रूपक कहानियों के रूप में लिया जाता है जहाँ इसके लिए वास्तविक संदेश होते हैं।

पी. दृष्टांतों में अतिशयोक्ति [43:34- 47:34]

अब, यहाँ कुछ बातें हैं जिनके बारे में हमें बात करने की ज़रूरत है। जब मैंने मूल रूप से एक बार दृष्टांतों का पूरा कोर्स किया था और दृष्टांतों को बहुत ही सामान्य कहानियाँ कहा जाता था। एक बोने वाला बीज बोने के लिए बाहर जाता है जो हर समय होता है। इसलिए वे बहुत ही सामान्य बातें हैं जो हर समय होती हैं। मुझे लगता है कि उस चर्चा में एक चीज़ जो गायब थी, वह यह है कि दृष्टांत वास्तव में बहुत बार अतिशयोक्तिपूर्ण होते हैं। वे अतिरंजित कहानियाँ हैं और आपको यह समझने की ज़रूरत है कि ये चीज़ें अतिरंजित हैं। वे कहानियाँ हैं। जब लोग कहानियाँ सुनाते हैं तो क्या कहानियाँ हमेशा ऐतिहासिक रूप से सटीक होती हैं? वैसे आप हमेशा कहानी को ऐतिहासिक रूप से सटीक होने के लिए नहीं सुनाते हैं। कभी-कभी आप कोई बात कहने की कोशिश कर रहे होते हैं इसलिए आप कहानी में कुछ चीज़ों को जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं ताकि दर्शकों को यह बात समझ में आ जाए कि आप इसे क्यों सुना रहे हैं। तो आपके पास एक दर्शक है और आपके पास एक कहानीकार है। फिर कहानीकार दर्शकों के अनुसार अपनी कहानी गढ़ता है।

गॉर्डन कॉलेज में हमारे पास एक व्यक्ति है, जो डॉ. ग्रीम बर्ड के बारे में बात करता है, जो जैज़ बजाता है। वह जैज़ पियानो बजाता है। वह एक बेहतरीन पियानोवादक होने के साथ-साथ एक बेहतरीन भाषाविद् और कई अन्य चीज़ें, कंप्यूटर विशेषज्ञ और कई अन्य चीज़ें हैं और वह इसके बारे में बात करता है। जब वह जैज़ बजाता है तो वह अमेज़िंग ग्रेस जैसा कुछ करता है और वह बजाता है और फिर अचानक वह कहता है कि ठीक है इसे देखो। अगर उसके पास शास्त्रीय श्रोता हैं और गॉर्डन कॉलेज के लोग अधिक शास्त्रीय, उच्चस्तरीय प्रकार के हैं। अचानक ग्रीम अमेज़िंग ग्रेस को शास्त्रीय शैली में बजाना शुरू कर देता है, बीथोवेन या ऐसा कुछ और और आप इसे पहचान सकते हैं। इसे बजाने का यह बिल्कुल अलग तरीका है लेकिन फिर भी यह अमेज़िंग ग्रेस है। आप धुन सुन सकते हैं और फिर वह अधिक गॉस्पेल चर्च सेटिंग में आता है और अचानक वह

गॉस्पेल सेटिंग में अमेजिंग ग्रेस बजाता है। तो आपको उस तरह का स्वाद मिलता है जैसा आप इसे चर्च में सुनते हैं। फिर वह जैज़ में भी माहिर है, इसलिए अचानक आपको यह मिल जाता है, अमेजिंग ग्रेस का यह जैज़ संस्करण लगभग ऐसा लगता है जैसे आप लुइसियाना में हैं। तो यह एक तरह की अद्भुत चीज़ है। और आप देखते हैं कि यह हमेशा अमेजिंग ग्रेस ही होता है, लेकिन इसे बजाया जाता है और इसलिए कहानी अलग-अलग दर्शकों के साथ अलग-अलग तरीकों से कही जाती है। जिसने भी कहानियाँ सुनाई हैं, वह इसे समझता है। ठीक है, आपके पास एक दर्शक है, इसे एक ही तरीके से बताया जाता है। इसलिए अतिशयोक्ति का उपयोग किया जाता है और आप कहते हैं, "ठीक है, मुझे एक उदाहरण दें कि आप वास्तव में यहाँ किस बारे में बात कर रहे हैं।" मैं दुष्ट किरायेदारों के दृष्टांत का उपयोग करता हूँ या वास्तव में हम दो दृष्टांतों का उपयोग कर सकते हैं। एक यह है कि एक आदमी किसी को 10 मिलियन डॉलर देता है और मुझे लगता है कि इसमें 10 हज़ार प्रतिभाएँ लिखी हैं। यह 10 मिलियन डॉलर जैसा है, ठीक है? तो यह ऋणी इस आदमी को 10 मिलियन डॉलर देता है और वह अपने मालिक के पास आता है, "कृपया मुझे माफ़ करें, कृपया मुझे माफ़ करें।" मालिक कहता है, "ठीक है, तुम जा सकते हो। मैं तुम्हें माफ़ करता हूँ।" अब जिस व्यक्ति का 10 मिलियन डॉलर माफ़ कर दिया गया था, उसके पास कोई ऐसा व्यक्ति है जिस पर उसके 10 डॉलर बकाया हैं और वह उस व्यक्ति के पास जाता है जिस पर उसके 10 या 100 डॉलर बकाया हैं और उसे तब तक जेल में डाल देता है जब तक वह सब कुछ चुका नहीं देता। तो फिर मास्टर वापस बुलाता है और कहता है, "अरे, मैंने तुम्हें 10 मिलियन डॉलर माफ़ कर दिए, तुमने इस व्यक्ति के साथ क्या किया? यह सिर्फ़ दिखाता है, तो 10 मिलियन डॉलर, कितने लोगों पर वास्तव में 10 मिलियन डॉलर का कर्ज है? यह 10 मिलियन और 100 डॉलर के बीच एक अतिशयोक्ति है। यह जानबूझकर अतिशयोक्ति है और इसे अतिशयोक्तिपूर्ण सोच कहा जाता है जहाँ आप अलगाव दिखाने के लिए, अपनी कहानी का मुद्दा बनाने के लिए किसी चीज़ पर ज़्यादा ज़ोर देते हैं और हम सभी इस तरह की चीज़ें करते हैं। जब मैं कहता हूँ कि हम सभी ऐसा करते हैं तो यह अपने आप में एक अतिशयोक्ति है, एक अतिशयोक्ति यह है कि हम कहते हैं "सभी" लेकिन हर व्यक्ति इस तरह की चीज़ें नहीं करता है।

प्रश्न: दुष्ट किरायेदारों का दृष्टांत [47:34- 50:52]

F: संयुक्त QT; 47:34-61:15; दृष्टांतों का चयन करें

एक और दृष्टांत जो दिमाग में आता है और यह एक तरह से अतिशयोक्ति है, वह है किसान और दुष्ट किरायेदारों का दृष्टांत। एक ज़मीन के मालिक के पास एक खेत है और वह इसे किरायेदारों को किराए पर देता है। ये दुष्ट किरायेदार हैं। यदि आप मैथ्यू की पुस्तक में हैं, तो यह अध्याय 21 में है। वह इन किरायेदार किसानों को संपत्ति किराए पर देता है। अब, फसल का समय आता है, इसलिए खेत का मालिक अपने कुछ नौकरों को किरायेदार किसानों, किरायेदारों से पैसे वसूलने के लिए भेजता है। तो ये किरायेदार उसकी ज़मीन किराए पर ले रहे हैं। वह अपने नौकरों को बाहर भेजता है, वे उसके नौकरों के साथ क्या करते हैं? वे उसके नौकरों को पीटते हैं। तो वह क्या करता है? वह और नौकरों को वापस भेजता है जो बेहतर नौकर होते हैं। वे बाहर जाते हैं और जब ये किरायेदार किसान इन लोगों को पकड़ लेते हैं, तो वे वास्तव में उन्हें पीटते हैं और उनमें से कुछ को मार देते हैं - ये संदेशवाहक जिन्हें वह भेजता है। तो, अंत में, संपत्ति का मालिक किसान कहता है, "मैं अपने बेटे को भेजूंगा, वे मेरे बेटे का सम्मान करेंगे।" फिर वह अपने बेटे को इन किराएदारों से किराया वसूलने के लिए भेजता है। किराएदार कहते हैं, "अब हम उसे पकड़ चुके हैं। यह मालिक का बेटा है। चलो बेटे को मार देते हैं और हम विरासत ले लेंगे।" अब यीशु पूछते हैं कि मालिक क्या करेगा जो ज़मीन किराए पर देता है? खैर वह एक सेना इकट्ठा करेगा और उन लोगों को खत्म कर देगा जिन्होंने उसके बेटे को मार डाला। लेकिन आपको यीशु के साथ यह बात समझ में आती है। क्या एक किसान जो अपनी ज़मीन किराए पर दे रहा है, क्या वह नौकरों को बाहर भेजकर उन्हें पीटेगा और फिर क्या वह अपने बेटे को इन लोगों का सामना करने के लिए अकेले भेजेगा? नहीं, यह एक अतिशयोक्ति है। कोई भी समझदार व्यक्ति ऐसा नहीं करेगा! कोई भी समझदार व्यक्ति अपने बेटे को इन किसानों के पास नहीं भेजेगा जब वे उसके नौकरों को पीटते हैं। कोई भी ऐसा नहीं करेगा। यह दृष्टांत का एक अतिशयोक्तिपूर्ण पहलू है। यह एक बात को स्पष्ट करने के लिए उसका अतिशयोक्ति है। कोई भी इतना पागल नहीं होगा।

वह पागल कौन था? भगवान। भगवान ने अपने सेवकों को किराएदारों के पास किराया वसूलने के लिए भेजा। सेवक कौन हैं? भगवान के सेवक कौन हैं? यदि आप पुराने नियम में कुछ

जानते हैं, तो आप जानते हैं कि भगवान के सेवक भविष्यद्वक्ता हैं। वे भविष्यद्वक्ताओं के साथ क्या करते हैं? उन्होंने भविष्यद्वक्ताओं को पीटा, मैंने आज ही यिर्मयाह में पढ़ा है और यिर्मयाह को कई दिनों तक मूल रूप से एक सेष्टिक टैंक में रखा गया था। वह कीचड़ में डूबते-डूबते लगभग मर गया था जब तक कि उसे चीथड़ों से बाहर नहीं निकाला गया। इसलिए सेवकों को पीटा गया। यशायाह को शायद आरे से दो टुकड़ों में काट दिया गया था, जॉन बैपटिस्ट, हम नए नियम से जानते हैं कि जॉन बैपटिस्ट के साथ क्या हुआ, सबसे महान भविष्यद्वक्ता का सिर किसी लड़की के नृत्य और माँ की अपनी बेटी से ईर्ष्यापूर्ण माँग के कारण काट दिया जाता है।

क्या आप अपने बेटे को भेजेंगे? नहीं, कोई भी इतना पागल नहीं है कि वह ऐसा करे। लेकिन भगवान ने अपनी करुणा के कारण ऐसा किया। भगवान अपने बेटे को भेजते हैं जो हमारी खातिर मर जाता है। इसलिए, यह एक अद्भुत उदाहरण है कि कैसे अतिशयोक्ति स्वयं भगवान को फिट बैठती है जो हमें कुछ ऐसा दिखा रहा है जो एक इंसान कभी नहीं करेगा। इसलिए आपको दृष्टांतों में सावधान रहना होगा क्योंकि बात को स्पष्ट करने के लिए अतिशयोक्ति होगी।

आर. सर्वनाशकारी दृष्टांत [50:52-53:38]

दृष्टांतों का एक और पहलू जो महत्वपूर्ण है वह है सर्वनाश की यह प्रकृति। अब सर्वनाश क्या है? हमने मैथ्यू 24 और 25 के अलावा इसके बारे में बात नहीं की है, लेकिन हमने वास्तव में इस पर टिप्पणी नहीं की है। सर्वनाश साहित्य काफी हद तक रहस्योद्घाटन की पुस्तक है, यदि आप पुराने नियम में हैं तो यह डैनियल और यहजेकेल की पुस्तकें हैं। सर्वनाश साहित्य दुनिया के अंत के बारे में बताता है। हमारे पास एपोकैलिप्स नाउ जैसी फिल्में भी हैं, कई ईसाई लोगों ने क्लेश काल के अंत में लेफ्ट बिहाइंड और दुनिया के अंत में एंटीक्रिस्ट की वापसी की इस श्रृंखला को पढ़ा है। हर कोई उल्का या किसी ऐसी चीज से मोहित होता है जो पूरी दुनिया को उड़ा देती है और फिर तिलचट्टे ही एकमात्र ऐसे होते हैं जो बच जाते हैं।

यीशु के दृष्टांतों में कई सर्वनाशकारी हैं। वे परमेश्वर के राज्य के मंच पर स्थापित हैं क्योंकि परमेश्वर के राज्य का उद्घाटन किया जा रहा है और मानव जाति पर अंतिम निर्णय हो रहा है। उदाहरण के लिए, मैथ्यू 25 में हमने भेड़ों और बकरियों के बारे में बात की। तो यह अंतिम निर्णय है

जो वह करता है वह भेड़ों और बकरियों को इकट्ठा करता है और भेड़ों और बकरियों को अलग करता है। मूल रूप से, भेड़ों से वह कहता है कि मेरे राज्य में आओ क्योंकि मैं भूखा था और तुमने मुझे खाना खिलाया और जब मैं जेल में था तो मुझसे मिलने आए, इसलिए मेरे राज्य में आओ। वह बकरियों से कहता है कि जब मैं भूखा था तो तुमने मुझे खाना नहीं खिलाया और जेल में मुझसे मिलने नहीं आए, इसलिए जितना तुमने इन छोटे लोगों के साथ किया है, उतना ही तुमने मेरे साथ किया है। इसलिए हे अधर्म के काम करने वालों, मेरे पास से चले जाओ और वह उन्हें दुनिया के अंत में भेज देगा।

ये दुनिया के अंत के बारे में दृष्टांत हैं। तो इन दृष्टांतों में, आपको इस तरह की सर्वनाशकारी, द्विआधारी या द्वैतवादी सोच मिलती है जहाँ अच्छाई और बुराई के बीच एक स्पष्ट विभाजन है। हमारी दुनिया के अधिकांश हिस्सों में, अच्छाई और बुराई एक साथ हैं और एक साथ मिश्रित हैं और यह हमारी दुनिया के धोखे का हिस्सा है — हम सोचते हैं कि कोई अच्छा है और वे वास्तव में बुरे निकलते हैं। हम सोचते हैं कि कोई बुरा है और वे अच्छे निकलते हैं। लेकिन सर्वनाशकारी सोच में अच्छाई और बुराई के बीच एक स्पष्ट विभाजन है। यह विभाजन दुनिया के अंत के संदर्भ में होता है, और इसलिए, यह प्रकृति में सर्वनाशकारी है, और आपके पास यीशु द्वारा उस पर दृष्टांत दिए गए हैं। जैसा कि हमने कहा, अमीर आदमी और लाजरस मर जाते हैं। लाजरस अब्राहम की गोद में चला जाता है और अमीर आदमी नरक में चला जाता है। और फिर वे इस विशाल खाई के पार यह प्रवचन करते हैं। तो यह फिर से अंत समय की तरह की बात है। सभी दृष्टांत सर्वनाशकारी नहीं हैं, लेकिन उनमें से कई हैं।

एस. यहूदी दृष्टांत—नाथन से दाऊद तक [53:38-57:17]

अब आप दृष्टांतों की व्याख्या कैसे करते हैं? और मैं दृष्टांतों से ही शुरू करता हूँ। मुझे इसे मैंने जो किया है, उससे थोड़ा बड़े संदर्भ में रखना होगा। दृष्टांत हाँ कहानियाँ हैं। दृष्टांत विस्तारित रूपकों पर आधारित होते हैं। यह रूपकात्मक सोच दो अलग-अलग अर्थ क्षेत्रों या अर्थ के क्षेत्रों के बीच होती है। लेकिन यहूदी यीशु से बहुत पहले से ही दृष्टांतों में बहुत रुचि रखते थे। और, वास्तव में, आपके पास एक दृष्टांत है, आप लोगों को याद होगा कि 2 शमूएल 12 में, नाथन दाऊद के पास

आता है, राजा दाऊद ने अभी-अभी, 2 शमूएल 11 में, बतशेबा के साथ अनैतिकता की है। और उसने न केवल बतशेबा के साथ अनैतिकता की है, बल्कि हित्ती उरीयाह, जिसकी पत्नी बतशेबा थी, को वापस बुलाया गया है। वह दाऊद की चाल में शामिल नहीं होगा ताकि वह अपनी पत्नी के पास जाए, इसलिए दाऊद अपनी अनैतिकता में पकड़ा जाता है। वह गर्भवती है; वह बच्चे के पिता के रूप में पकड़ा जाता है। उरीयाह अपनी पत्नी के साथ नहीं सोएगा। फिर उरीया वापस अग्रिम पंक्ति में चला जाता है और दाऊद अम्मोनियों के हाथों उरीया को मरवा देता है। दाऊद यह बहुत ही धिनौना काम करता है और वह इससे बच जाता है, वह राजा है। पुराने नियम में आप जानते हैं कि यह कैसे होता है। आपके पास राजा है, राजा के पास शक्ति है लेकिन परमेश्वर के भविष्यवक्ता राजाओं के पास आते हैं और पुराने नियम में भविष्यवक्ताओं की एक प्रमुख भूमिका यह थी कि भविष्यवक्ता राजा को फटकारते थे और उनसे मूल रूप से एक शब्द कहते थे, "पश्चात्ताप करो।" तो भविष्यवक्ता राजा के पास आता है, वह यह कहने जा रहा है लेकिन नाथन राजा दाऊद से कैसे संपर्क करता है? वह इसे एक कहानी के माध्यम से करता है और वह दाऊद को एक कहानी सुनाता है, एक अमीर आदमी था जिसके पास बहुत सारी भेड़ें थीं। वह अमीर था और उसके पास सभी प्रकार की भेड़ें थीं। एक और आदमी था जो बहुत गरीब था और उसके पास एक छोटा मेमना था और वह सोता था और मेमना उसकी बाँहों में सोता था। वैसे, क्या दाऊद भेड़ों से लगाव के बारे में जानता है? दाऊद एक चरवाहा था इसलिए वह उस तरह के लगाव को जानता होगा। अमीर आदमी से मिलने के लिए एक आगंतुक आया था। तो, नबी नातान ने कहानी सुनाई: अमीर आदमी ने आगंतुक को बुलाया और अपनी सैकड़ों भेड़ों में से एक को लेकर उस व्यक्ति के लिए भोजन बनाने के बजाय अमीर आदमी गरीब आदमी के पास गया और उसका छोटा मेमना लिया और उस छोटे मेमने को उस आदमी के पास से दिया जो अमीर आदमी के दोस्त के लिए था जो उससे मिलने आया था। तब डेविड क्रोधित हो गया और बोला, "उस अमीर आदमी ने जो किया वह दुष्ट था, और उसे दंडित किया जाना चाहिए," और डेविड आगे बढ़ता है और फिर नातान क्या करता है? नातान कहता है, "डेविड तुम आदमी हो, तुम आदमी हो।" क्या वह वास्तव में कई भेड़ों वाले अमीर आदमी के बारे में बात कर रहा है? नहीं, यह एक रूपक है। भेड़ें यहाँ हैं। वह वास्तव में राजा के रूप में डेविड के बारे में बात कर रहा है, क्या डेविड की कई पत्नियाँ हैं? डेविड की कई पत्नियाँ हैं।

डेविड अमीर है। डेविड के पास अबीगैल से लेकर ये सभी महिलाएँ हैं। वह गया और हिती उरियाह से बतशेबा को ले गया। यह गरीब आदमी जिसकी केवल एक पत्नी थी और डेविड गया और उसे ले गया और उसे मार डाला और इसलिए "डेविड, तुम आदमी हो।"

इसलिए वह दृष्टांत का उपयोग भ्रम को दूर करने के तरीके के रूप में करता है, यह कहने के तरीके के रूप में कि वह डेविड को डांटने जा रहा है, लेकिन डेविड के पास आकर यह कहने के बजाय कि "डेविड तुमने पाप किया है, भगवान तुम्हारा न्याय करेंगे" वह कहानी सुनाता है और कहानी सुनाने से, कहानी का क्या लाभ है? कहानी डेविड को आकर्षित करती है और इसलिए डेविड कहता है "ओह वह अमीर आदमी उस गरीब आदमी के छोटे मेमने के साथ ऐसा कर रहा है, उसे दंडित किया जाना चाहिए" और डेविड चला जाता है। देखिए, वह कहानी में उलझा हुआ है और उसे पकड़ लेता है। इसलिए ये कहानियाँ जो यीशु बताते हैं, यहूदी लोगों तक जाती हैं।

टी. अलंकारिक व्याख्या - ऑगस्टीन ऑन द गुड सेमेरिटन [57:17-61:15]

आज भी यहूदी लोग कहानी सुनाने वाले हैं। आप पूछते हैं, "इस दुनिया में बहुत से हास्य कलाकार कौन हैं?" वे यहूदी हैं। वे यहूदी हास्य कलाकार हैं। वे यहूदी हास्य कलाकार क्यों हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि यहूदी लोग कहानियाँ सुनाना पसंद करते हैं। इसलिए नाथन ने डेविड को कहानी सुनाई और उसका दिल जीत लिया। जीसस लोगों को कहानियाँ सुनाते हैं और आप देखते हैं कि यह उनके दिल को जीत लेती है। जीसस प्रस्तावनाओं, तर्क में आकर यह नहीं सिखाते कि, "ठीक है, आप ईश्वर के बारे में यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं और ईश्वर एक आत्मा है जो अनंत, शाश्वत, अपरिवर्तनीय है, उसके अस्तित्व में बुद्धि, शक्ति और पवित्रता है..." यह सच है। जीसस नीचे आकर यह नहीं कहते कि "मैं तुम्हारे लिए ईश्वर को परिभाषित कर रहा हूँ" वे ऐसा नहीं करते। वे कहानियाँ सुनाते हैं क्योंकि कहानियाँ अधिक समृद्ध होती हैं। जब आप तर्क के साथ काम करते हैं तो आप काले और सफेद चित्रों के साथ अधिक काम कर रहे होते हैं। कहानियाँ रंग की तरह अधिक होती हैं। गहराई होती है, गर्मजोशी होती है, सभी प्रकार के संबंध होते हैं। इसलिए यहूदी लोगों के पास दृष्टांतों का इतिहास था। यदि आप केवल नए नियम को जानते हैं तो ऐसा लगता है कि यीशु अकेले ही दृष्टांत बताते हैं। नहीं, नहीं, नहीं यह पैगंबरों द्वारा दृष्टांत बताने की एक लंबी परंपरा

है, वास्तव में, यहूदी रब्बी, बाद में आप तल्मूड और इन चीजों के यहूदी स्रोतों को देखें, वे हमेशा कहानियाँ सुनाते हैं। इसलिए यीशु यहूदी हैं और वे कहानियाँ सुनाते हैं जैसे वे यहूदी दृष्टांत सुनाते हैं।

अब, आरंभिक चर्च ने चीजों की व्याख्या की, और मैं ऑगस्टीन को उदाहरण के रूप में उपयोग करना चाहता हूँ, लगभग 400 या 500 ई. से। ऑगस्टीन ने द गुड सेमेरिटन का दृष्टांत लिया। यह लूका अध्याय 10 श्लोक 30 और उसके बाद में है। वह लूका अध्याय 10 द गुड सेमेरिटन को लेता है और यहाँ ऑगस्टीन ने इसकी व्याख्या की है। अब वह इसे रूपक के रूप में व्याख्या करने जा रहा है। द गुड सेमेरिटन का दृष्टांत और वह जो कहता है, वह पीड़ित, वह व्यक्ति जिसे लुटेरों ने पीटा, वह आदम था। आप सोचते हैं, "हम्म, मुझे आश्चर्य है कि उसे यह कहाँ से मिला?" जिस लुटेरे ने उस व्यक्ति को पीटा वह शैतान था। तो शैतान ही वह व्यक्ति था जिसने इस व्यक्ति को पीटा, पीड़ित आदम था जिसे लुटेरों ने पीटा जो शैतान था। दूसरी तरफ से गुजरने वाला लेवी पुराने नियम का सेवक था। द गुड सेमेरिटन यीशु है। और सराय का रखवाला कौन है? यीशु उस बेचारे, पीटे हुए आदमी को सरायवाले के पास ले जाते हैं और कहते हैं, "जब तक वह अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो जाता, मैं तुम्हें जो भी देना होगा, दूंगा। सराय का मालिक कौन है? ऑगस्टीन कहते हैं कि सराय का मालिक प्रेरित पौलुस है।

अब जब यीशु ने वह मूल कहानी सुनाई तो क्या वह प्रेरित पौलुस के बारे में सोच रहा था? आप प्रेरित पौलुस तक कैसे पहुँच सकते हैं जिसका कभी उल्लेख नहीं किया गया? वह अच्छे सामरी दृष्टांत में सराय का रखवाला है। ऑगस्टीन ऐसे संबंध बना रहा है जिनका वास्तव में पाठ में कोई आधार नहीं है। यह रूपक व्याख्या का एक उदाहरण है। तो प्रारंभिक चर्च ने इस तरह की रूपक व्याख्या की। वे इसे चारों पैरों पर चलने वाला दृष्टांत बनाना कहते हैं। दूसरे शब्दों में, यह हर विवरण पर आधारित है और यही बात है कि मुझे लगता है कि हर विवरण में किसी तरह का छिपा हुआ अर्थ होता है। समस्या यह है कि जब आप इस तरह के दृष्टांतों को रूपक के रूप में पेश करना शुरू करते हैं तो आप बहुत अधिक अर्थ प्राप्त कर लेते हैं, क्योंकि पॉल सराय का रखवाला नहीं है। इसलिए आपको हर विवरण को लेना होगा, यह जरूरी नहीं कि एक महत्वपूर्ण बिंदु हो। आज अधिकांश विद्वान रूपक व्याख्या नहीं करते हैं रोमन कैथोलिक चर्च कुछ रूपक करता है।

उनके पास व्याख्या की एक चौगुनी विधि है, इसलिए वे ऐतिहासिक और भाषाविज्ञान विधियों के शीर्ष पर आधारित अपनी विधियों में से एक के रूप में चीजों को देखने के लिए अधिक रूपक तरीके का उपयोग करेंगे।

यू. 19^{वीं} सदी की आलोचना – एक प्रतिक्रिया [61:15-63:00]

जी: संयुक्त यूडब्ल्यू: 61:05-71:05; दृष्टांतों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण

जब मैंने दृष्टांतों को लिया, तो यह 19^{वीं} सदी के मॉडल पर काम कर रहा था, जिसमें कहा गया था कि दृष्टांत रूपक दृष्टिकोण के खिलाफ प्रतिक्रिया कर रहे थे, जिसने दृष्टांत को चारों पैरों पर चलने के लिए मजबूर किया। 19^{वीं} सदी में रूपक ने दृष्टांत में सब कुछ थोड़ा अर्थपूर्ण बना दिया, उन्होंने कहा, "यह सही नहीं है। यहाँ वास्तव में जो चल रहा है वह यह है कि दृष्टांत में एक बिंदु है।" इसलिए प्रत्येक दृष्टांत में एक बिंदु होता है और इसलिए जब आप इसे पढ़ते हैं तो आपको बड़े विचार की तलाश करनी होती है। आज भी बहुत से उपदेशक हैं, और वास्तव में यह एक अच्छी पद्धति है, क्योंकि 21^{वीं} सदी में हमारा ध्यान बहुत कम समय के लिए है, लेकिन आपको एक बड़ा विचार मिलता है और आप अपने सभी बिंदुओं को इस एक बड़े विचार के अनुसार ढालते हैं। आप इस एक बड़े विचार को तीन या चार अलग-अलग तरीकों से कहते हैं, आप इसे कहानियों के साथ समझाते हैं, आप इसे पवित्रशास्त्र के साथ समझाते हैं, आप इसे आधुनिक समय पर समझाते हैं और आप इस एक बिंदु को घर तक पहुँचाते हैं जो पवित्रशास्त्र सिखा रहा है। वे एक दृष्टांत लेते हैं और कहते हैं कि दृष्टांत में एक बिंदु होता है और इसलिए आपको उस एक बिंदु को खोजने की आवश्यकता है और इस तरह आप उस दृष्टांत की व्याख्या करते हैं। अब समस्या यह है कि मुझे लगता है कि यह थोड़ा बहुत प्रतिबंधात्मक है। मुझे लगता है कि आपको मिट्टी का दृष्टांत मिलता है, आपको वहाँ चार अलग-अलग प्रकार की मिट्टी मिलती है। अब आप इसे एक बिंदु में बदल सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वास्तव में दृष्टांत का असली बिंदु यह है कि चार अलग-अलग प्रकार की चीजें हैं और आप उन चार अलग-अलग प्रकार की मिट्टी से सीख सकते हैं। मुझे लगता है कि यह न्यूनीकरणवादी है। रूपक एक तरह से शानदार अर्थ है और इसे बहुत अधिक गुणा करता है, और

19^{वीं} सदी का मॉडल यह कहने के लिए बहुत न्यूनीकरणवादी है कि एक दृष्टांत का केवल एक बिंदु होता है। इसलिए मुझे लगता है कि यह किसी भी तरह से एक समस्या है।

वी. सर्वनाशकारी दृष्टांत और साकार परलोक विद्या [63:00-65:39]

अब, सर्वनाश पर, मैं सर्वनाश संबंधी दृष्टांतों के बीच एक अंतर करना चाहता हूँ, याद रखें कि हमने भेड़ और बकरियों के दृष्टांत के बारे में बात की थी, सभी समय के अंत में। हमने लाजर और धनी व्यक्ति के दृष्टांत के बारे में बात की। दस दुल्हन की सहेलियों को याद करें। दस दुल्हन की सहेलियाँ आती हैं, उनमें से पाँच के पास तेल होता है और बाकी पाँच के पास नहीं होता और जो पाँच नहीं होतीं वे तेल और अन्य चीज़ें लाने की कोशिश करती हैं और जब वे चली जाती हैं तो अनुमान लगाइए कौन आता है? दूल्हा आता है और बारात आती है और वे अंदर जाती हैं और पाँच जो तेल नहीं लाईं वे खोज करने जाती हैं और उन्हें बाहर बंद कर दिया जाता है। यह मैथ्यू 25 है, दस दुल्हन की सहेलियों का दृष्टांत पाँच बुद्धिमान थीं और पाँच मूर्ख। इसलिए यह अंत समय और उसके घटित होने के बारे में बात करने की प्रकृति में सर्वनाश संबंधी है।

कुछ लोगों ने साकार युगांतशास्त्र के बारे में बात की है। ये लोग साकार युगांतशास्त्र में हैं जो काफी हद तक द्वितीय विश्व युद्ध की प्रकृति से निकले हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक तरह की सोच थी कि, अगर हम मनुष्य के रूप में एकजुट हो जाएं और हम अंततः बुराई को दूर करने जा रहे हैं, और अब जब हिटलर का अंत हो गया है और बुराई को कुचल दिया गया है, तो अब मानव जाति फल-फूल सकती है। तो साकार युगांतशास्त्र में आपके पास जो है वह है मनुष्य का अंत लाना। मनुष्य काफी अच्छे बन रहे हैं और, अंततः, हम इतने अच्छे हैं और चीज़ें इतनी अच्छी तरह से काम कर रही हैं कि मसीह वापस आते हैं और वह एक ऐसे राज्य पर इस राज्य की स्थापना करते हैं जो उनके लिए तैयार है और इन सभी अच्छे लोगों द्वारा उनके लिए तैयार किया गया है जो ये सभी अच्छे काम कर रहे हैं। तो इसे साकार युगांतशास्त्र कहा जाता है जहाँ मनुष्य, एक अर्थ में, *युगांत*, भविष्य, मसीह के आने और दुनिया के अंत को लाते हैं। यह कुछ अन्य सर्वनाशकारी दृष्टिकोणों और सर्वनाशकारी साहित्य से बहुत अलग है जहाँ यह ईश्वर है जो अंत लाता है। इसलिए मुझे लगता है कि यह वह अंतर है जिसे मैं सर्वनाश और परलोक विद्या के बीच बनाना चाहता हूँ।

वैसे, "परलोक विद्या" शब्द का अर्थ है अंत समय। " एस्केटन " का अर्थ है अंतिम दिन, अंत। इसलिए साकार परलोक विद्या मूल रूप से कहती है कि मानव जाति की अच्छाई अंत लाती है। जबकि सर्वनाश में आप ईश्वर को अंत लाते हुए देखते हैं और मुझे लगता है कि अधिकांश शास्त्र हमें बता रहे हैं कि ईश्वर अंत, निष्कर्ष लाता है। इसलिए हम इसे सर्वनाश के रूप में लेते हैं। तो आप दृष्टान्तों की व्याख्या कैसे करते हैं? मुझे लगता है कि मेरी बात यह है कि दृष्टान्त समृद्ध होते हैं, दृष्टान्त समृद्ध कहानियाँ हैं और इसलिए आप उन्हें विभिन्न तरीकों का उपयोग करके व्याख्या कर सकते हैं और इसलिए मैं एक तरह की उदार पद्धति का उपयोग करता हूँ।

डब्ल्यू. जीसस सेमिनार [65:39-71:05]

अब, एक और बात, और मैं इसे यहाँ प्रस्तुत करूँगा, हमें जीसस सेमिनार के बारे में बात करनी चाहिए। जीसस सेमिनार, मुख्य रूप से मेरी पीढ़ी में 1970, 80, 90 के दशक में होता है और, वास्तव में, मुझे लगता है कि जीसस सेमिनार अभी भी 21^{वीं} सदी में 2011 तक चल रहा है। यह जीसस सेमिनार मूल रूप से "जीसस स्कॉलर्स" का एक समूह था जो एक साथ मिलते थे। ये दुनिया के कुछ सबसे अच्छे लोग होते थे जो जीसस का अध्ययन करते थे और यही उनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र था। ये लोग एक साथ मिलते थे और, वे जो करना चाहते थे वह यह पता लगाना था - और वे न्यू टेस्टामेंट को देखते और छांटते थे, उनमें से अधिकांश आलोचनात्मक या उदार विद्वान थे जो वास्तव में यह नहीं मानते थे कि बाइबल पूरी तरह से ईश्वर का वचन है जैसा कि हम मानते हैं। इसलिए वे यह निर्धारित करने जा रहे हैं कि बाइबल में दर्ज जीसस के कौन से शब्द वास्तव में जीसस के वास्तविक शब्द हैं और कौन से शब्द बाद में चर्च द्वारा जोड़े गए थे। उन्होंने अनुमान लगाया कि जीसस ने कभी ऐसा नहीं कहा लेकिन उन शब्दों को बाद में चर्च द्वारा जोड़ा गया और फिर से जीसस के मुँह में डाल दिया गया। तो, यीशु सेमिनार में वे एक मेज के चारों ओर बैठेंगे और वे नए नियम को रंग कोड देंगे। अब, यीशु ने वास्तव में क्या कहा? तो मूल रूप से वे यहाँ जिस चीज़ पर काम कर रहे हैं वह यह *ipssissima* है *वर्ब*। ये बिल्कुल वही शब्द हैं, *वर्ब*, यीशु के बिल्कुल वही शब्द। और इसलिए अगर वे कोई अंश लें और कहें कि "ये यीशु के बिल्कुल वही शब्द हैं" तो उसे लाल रंग से रंगा जाएगा। क्या आप लोगों ने कभी लाल अक्षरों वाली बाइबल का इस्तेमाल किया है

जहाँ लाल अक्षरों में यीशु बोलते हैं? मुझे वास्तव में एक बार लाल अक्षरों वाले पुराने नियम को लिखने के लिए पैसे मिले थे, जहाँ भी भगवान ने बात की थी। मुझे याद है, मैं उस समय बहुत गरीब था, और उस आदमी ने मुझे यह करने के लिए एक हज़ार डॉलर दिए थे। वह अमीर था और मैंने इसे किया और पढ़ा और यह ठीक था और हमने लाल अक्षरों वाला पुराना नियम तैयार किया। यीशु के उन्हीं शब्दों का उन्होंने विश्लेषण किया, उन्होंने जो कहा यीशु ने वास्तव में कहा और, वैसे, कई बार दृष्टांत और यही कारण है कि मैं इसे यहाँ लाता हूँ, उन्होंने जो दृष्टांत रखे थे वे यीशु के थे और इसलिए उन्होंने दृष्टांतों को यीशु के साथ बहुत निकटता से जोड़ा।

अब, दूसरे स्तर पर यहाँ उन्हें *ipssissima मिला है vox*, और इसका मतलब यह है कि यहाँ आप यीशु की आवाज़ सुन सकते हैं। दूसरे शब्दों में, ये वही शब्द नहीं हैं जो यीशु ने कहे थे, लेकिन आप यीशु की आवाज़ सुन सकते हैं। इसके पीछे यीशु हैं। लेखक ने हमें यीशु के शब्दों को अपने शब्दों में दिया है, लेकिन उसने उन शब्दों को यीशु के मुँह में डाला, लेकिन वे वास्तव में यीशु के सटीक शब्द नहीं हैं, लेकिन वे वही हैं जो उसने कहा, वे जो उसने कहा उसका सारांश हैं। हम हमेशा ऐसा करते हैं, जब हम किसी के बारे में बात करते हैं और कहते हैं “अरे, क्या आप जानते हैं कि आपकी माँ ने अभी क्या कहा? आपकी माँ ने यह कहा” और हम जो उन्होंने कहा उसका सारांश देते हैं। हम इसे शब्दशः नहीं करते। और यह बिल्कुल ठीक है, हम हमेशा ऐसा करते हैं जब हम दूसरे लोगों से बात करते हैं और कहते हैं “अच्छा और ऐसा कहा” और हम इसका सारांश देते हैं। तो यह यीशु की आवाज़ होगी। आप यीशु की आवाज़ सुन सकते हैं, यीशु के सटीक शब्द नहीं। तो यह यीशु की आवाज़ है, वे इसे गुलाबी रंग देंगे। तो आपके पास लाल होगा, जो यीशु के वास्तविक शब्द होंगे, और गुलाबी यीशु की आवाज़ होगी।

फिर वे मूल रूप से यहाँ कुछ अन्य श्रेणियों के साथ काम करेंगे, जैसे समान विचार लेकिन यीशु ने उन्हें नहीं कहा। समान विचार लेकिन यीशु ने ये बातें नहीं कही लेकिन वे उन बातों के समान विचार थे जो यीशु ने सिखाई थीं और यह तब ग्रे रंग में आ जाएगा। इसलिए वे लाल, गुलाबी, ग्रे का उपयोग करेंगे जो विचार यीशु द्वारा कही गई बातों के समान होंगे लेकिन शब्द और विचार बिल्कुल वही नहीं होंगे जो यीशु ने कहे होंगे। और फिर अंत में काले शब्द, जो चीजें उन्होंने काले रंग में छोड़ी थीं वे वे चीजें होंगी जो यीशु ने बिल्कुल नहीं कही थीं। ये वे चीजें होंगी जो यीशु से नहीं

आई थीं उन्हें बाद में चर्च द्वारा जोड़ा गया था। इसलिए बाद के चर्च ने इन शब्दों को वापस यीशु के मुंह में डाल दिया और इनका 32 ईस्वी के मूल यीशु से कोई लेना-देना नहीं है, इसे बाद में यीशु के 50 या 100 साल बाद डाला गया और शुरुआती चर्च द्वारा उनके मुंह में वापस डाल दिया गया।

तो जीसस सेमिनार में शास्त्रों को फाड़ने की पद्धति का इस्तेमाल किया जाता था। किसने तय किया कि जीसस ने क्या कहा या नहीं? वे ही तय करते थे। दूसरे शब्दों में, आपको जो मिला वो ये है कि ये लोग शास्त्रों के शब्दों के आधार पर अपनी पूर्वधारणाओं, अपने सोचने के तरीकों, अपने विश्वदृष्टिकोण का इस्तेमाल करके जीसस को पसंद करते हैं। वे जीसस के कुछ हिस्सों को स्वीकार करते हैं और कुछ हिस्सों को अस्वीकार करते हैं। जीसस के बारे में बहुत से ईश्वर और देवता के दावे जहां जीसस को भगवान होने का दावा किया जाता है, उन्होंने कहा कि चर्च द्वारा डाले गए थे। चर्च ने जीसस को लिया और उन्हें "मसीह" में बदल दिया। और, इसलिए, वे मसीह के देवता को खत्म करने में सक्षम थे क्योंकि इनमें से बहुत से लोग आधुनिकतावादी थे और वे वास्तव में यह नहीं मानते थे कि ईश्वर जीसस क्राइस्ट में अवतरित हुए थे लेकिन जीसस क्राइस्ट एक अच्छे पैगम्बर थे। और इसलिए आप फिर से उसी तरह की सोच पर वापस जा रहे हैं। तो यह जीसस सेमिनार है और यह 20 वीं सदी के आखिरी हिस्से में एक बड़ी बात थी और मुझे लगता है कि यह अभी भी मौजूद है लेकिन अब यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। आज अधिकांश लोगों को यह एहसास हो गया है कि यह पाठ के साथ खेल है, इसलिए यह कठिन समय से गुजर रहा है।

X. अच्छे सामरी दृष्टांत का संदर्भ [71:05-74:27]

H: संयुक्त UZ; 71:05-84:10 अंत ; अच्छे सामरी का दृष्टांत

अब मैं वापस जाकर अच्छे सामरी के दृष्टांत को उठाना चाहता हूँ। और मैं जो करना चाहता हूँ वह दृष्टांतों की व्याख्या कैसे की जाए, इसके बारे में थोड़ा सा उदाहरण देना है। यह लूका अध्याय 10 श्लोक 25 और उसके बाद में है। ऐसा करने के लिए मुझे लगता है, मैं यह दिखाना चाहता हूँ कि आप दृष्टांत को कैसे समझते हैं। आप किसी भी चीज़ को कैसे समझते हैं? संदर्भ अर्थ निर्धारित करता है।

तो मैं यहाँ जो सुझाव देना चाहता हूँ वह यह है कि आप किसी दृष्टांत को वास्तव में कैसे

समझते हैं, आप उस संदर्भ को देखते हैं जिसमें वह दृष्टांत दिया गया है। तो, उदाहरण के लिए, यहाँ अच्छे सामरी का दृष्टांत है ल्यूक अध्याय 10 श्लोक 25 और उसके बाद: "एक अवसर पर व्यवस्था का एक विशेषज्ञ यीशु का परीक्षण करने के लिए खड़ा हुआ।" तो यह अच्छे सामरी के दृष्टांत का संदर्भ है। एक कानूनी विशेषज्ञ है जो यीशु का परीक्षण करने की कोशिश कर रहा है। "गुरु" उसने पूछा, "मुझे अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहिए?" वह व्यक्ति सही सवाल पूछ रहा है। यीशु उसकी ओर मुड़ते हैं और कहते हैं "मुझ पर विश्वास करो और तुम बच जाओगे।" क्या यीशु ने यही कहा था? उस व्यक्ति ने पूछा "मुझे अनन्त जीवन प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहिए?" और यीशु कहते हैं, "मुझ पर विश्वास करो। विश्वास करो और तुम बच जाओगे।" यीशु ने ऐसा नहीं कहा। यह दिलचस्प है क्योंकि हम कहेंगे कि इससे यह बहुत आसान हो जाएगा। इसलिए इसके बजाय वह कहता है "व्यवस्था में क्या लिखा है? यदि आप अनन्त जीवन चाहते हैं तो देखें कि व्यवस्था में क्या लिखा है" उसने उत्तर दिया, "आप इसे कैसे पढ़ते हैं?" वह व्यक्ति एक वकील है, इसलिए आप कानून को कैसे पढ़ते हैं। वह कानून का एक कानूनी विशेषज्ञ है। उसने उत्तर दिया "अपने प्रभु परमेश्वर से अपने पूरे दिल से, अपनी पूरी आत्मा से, अपनी पूरी शक्ति से, और अपनी पूरी बुद्धि से प्रेम करो और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो।" अब इस वकील को ये बातें कहाँ से मिलीं? "अपने प्रभु परमेश्वर से अपने पूरे दिल से, अपनी पूरी आत्मा से और अपने पूरे दिमाग से प्रेम करो और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो।" यीशु ने एक अन्य अंश में यही बात कही थी जब उनसे पूछा गया था कि व्यवस्था में दो सबसे महत्वपूर्ण बातें क्या हैं। व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने प्रभु परमेश्वर से अपने पूरे दिल, अपनी पूरी शक्ति और अपनी पूरी आत्मा से प्रेम करो और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो। यीशु ने खुद भी यही बातें कही थीं। मुझे लगता है कि कभी-कभी जब आप सोचते हैं कि यीशु यह सब कुछ बिना किसी कारण के बना रहे हैं क्योंकि वे परमेश्वर हैं तो वे बस इसे बना रहे हैं। नहीं, वे पुराने नियम के पाठ पर काम कर रहे हैं। ऐसे अन्य लोग भी थे जिनकी समझ यीशु के समान ही थी। यीशु यहूदी हैं और उन्हें चीज़ों के बारे में यहूदी समझ है। इसलिए यह वकील वास्तव में सही कहता है: ईश्वर से प्रेम करो, अपने पड़ोसी से प्रेम करो।

"तुमने सही उत्तर दिया है," यीशु ने उत्तर दिया। वैसे, क्या यीशु आमतौर पर उत्तर देते हैं

"तुमने सही कहा है"? आमतौर पर नहीं। यीशु आमतौर पर किसी चीज़ की आलोचना कर रहे होते हैं, लेकिन यहाँ वे कहते हैं "तुमने सही उत्तर दिया है। ऐसा करो और तुम जीवित रहोगे।" वह व्यक्ति पूछता है, "अच्छा, अनन्त जीवन के बारे में क्या?" और यीशु ने कहा, "अरे, परमेश्वर से प्रेम करो, अपने पड़ोसी से प्रेम करो। ऐसा करो और तुम जीवित रहोगे।" लेकिन वकील खुद को सही ठहराना चाहता था इसलिए उसने यीशु से पूछा "और मेरा पड़ोसी कौन है?" अपने पूरे दिल, आत्मा और दिमाग से परमेश्वर से प्रेम करो और अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्रेम करो और वह व्यक्ति कहता है, "ठीक है, मुझे यह दिखाना है कि यह उससे बेहतर प्रश्न है," क्योंकि वह एक सरल प्रश्न पूछने के लिए शर्मिंदा नहीं होना चाहता था।

Y. अच्छे सामरी का दृष्टांत [74:27-77:51]

तो फिर "मेरा पड़ोसी कौन है?" वकील ने पूछा। जवाब में यीशु ने उसे एक कहानी सुनाई। जवाब में यीशु ने कहा, "एक आदमी यरूशलेम से जेरिको जा रहा था।" तो यह यरूशलेम से जेरिको तक की स्थिति है। हम इसे एक सेकंड में देखेंगे। "और जब वह लुटेरों के हाथों में पड़ गया तो उन्होंने उसके कपड़े उतार दिए और उसे पीटा और उसे अधमरा छोड़कर चले गए। एक पुजारी उसी सड़क से जा रहा था और जब उसने उस आदमी को देखा तो वह दूसरी तरफ से चला गया। इसी तरह एक लेवी", उच्च पद का पुजारी, लेवी, कानून का शिक्षक, "जब वह उस जगह पर आया और उसे देखा तो वह दूसरी तरफ से चला गया।

लेकिन एक सामरी" सामरी उस संस्कृति में तिरस्कृत थे, वे आधी नस्ल के थे, वे उत्तरी राज्य से बचे हुए थे। जब असीरिया उत्तरी राज्य को छीनने आया तो उन्होंने सभी बुद्धिजीवियों, प्रतिष्ठित लोगों को बाहर निकाल दिया और इन गरीब धिनौने लोगों को वहीं छोड़ दिया। उन्होंने गरीब लोगों को उन लोगों के साथ विवाह करवाया जिन्हें वे अन्य संस्कृतियों से लाए थे, इसलिए सामरी आधी नस्ल के थे। सामरी पुराने नियम को पवित्र नहीं मानते थे। सामरी, जैसा कि हमने पाठ्यक्रम के पहले भाग में कहा था, केवल सामरी पंचग्रंथ का सम्मान करते थे। उन्होंने बाइबिल की पहली पाँच पुस्तकों को स्वीकार किया। और जैसा कि हमने कहा कि आज भी अगर आप गिरिजिम पर्वत पर

जाते हैं तो वे अभी भी फसह का पालन करते हैं। उन्हें यहूदियों द्वारा आधी नस्ल के रूप में देखा जाता था, ऐसे लोग जिन्हें उस संस्कृति में बहुत नीची नज़र से देखा जाता था।

"तो सामरी, यात्रा करते हुए, उस आदमी के पास आया और जब उसने उसे देखा तो उसे उस पर दया आई और उसके घावों पर पट्टी बाँधी और उस पर तेल और दाखरस डाला। जब उसने उस आदमी को अपने गधे पर बिठाया तो वह उसे सराय में ले गया और उसकी देखभाल की। अगले दिन उसने दो चाँदी के सिक्के निकाले और उन्हें सराय के रखवाले को दे दिया।" याद रखें कि सराय का रखवाला कौन है? ऑगस्टीन के अनुसार, सराय का रखवाला प्रेरित पौलुस है। मुझे ऐसा नहीं लगता, लेकिन फिर भी सराय का रखवाला। "उसकी देखभाल करो, उसने कहा, और जब मैं वापस आऊँगा तो मैं तुम्हारे किसी भी अतिरिक्त खर्च की प्रतिपूर्ति करूँगा। इन तीनों में से कौन उस आदमी का पड़ोसी था जो लुटेरों के हाथों में पड़ गया था?" अब यीशु कहानी से बाहर निकल जाते हैं। व्यवस्था के विशेषज्ञ ने उत्तर दिया - अब ध्यान दें कि व्यवस्था के विशेषज्ञ ने सामरी का उल्लेख नहीं किया है, ऐसा लगता है कि वह यह नहीं कह सकता या स्वीकार नहीं कर सकता कि वह सामरी था। वह यह नहीं कह सकता कि यह अच्छा सामरी था, सामरी धिनौना था इसलिए इसके बजाय वह कहता है: "जिसने उस पर दया की" और वास्तव में सामरी की विशेषता को अपनाता है। यह कोई बुरी बात नहीं है; वह उस व्यक्ति की विशेषता को अपनाता है जिसने दया की। और यीशु ने उससे कहा "जाओ और वैसा ही करो।" यह किस तरह का दृष्टांत है? यह एक उदाहरण दृष्टांत है। जाओ और वैसा ही करो। जाओ सामरी की तरह बनो और तुम अनन्त जीवन के वारिस बनोगे। यह सवाल था, मुझे अनन्त जीवन पाने के लिए क्या करना चाहिए, जाओ और वैसा ही करो। अच्छे सामरी की तरह बनो, जिसने उस पर दया की। क्या तुम अनन्त जीवन पाना चाहते हो? जाओ और वैसा ही करो। यीशु ने यह नहीं कहा "मुझ पर विश्वास करो और तुम्हें अनन्त जीवन मिलेगा" उन्होंने ऐसा नहीं कहा। इसके बजाय उन्होंने कहा, "जाओ और वैसा ही करो," सामरी की तरह बनो और तुम्हें अनन्त जीवन मिलेगा। मुझे लगता है कि यह एक दिलचस्प कहानी है।

अच्छे सामरी के दृष्टांत का भूगोल [77:51-84:10]

अब यहाँ कई चीजें हैं और मैं बस चीजों को फिर से पढ़ना चाहता था। एक वकील और

शुरुआती सवाल क्यों? हमने इन चीजों के बारे में बात की, लेकिन मैं भूगोल पर थोड़ा ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ। मैं ग्रीक और अन्य चीजें पढ़ाता हूँ और कई बार हम पाठ के अर्थ को समझने के लिए ग्रीक और हिब्रू भाषा का उपयोग करते हैं। एक और भाषा है जिसे लोगों को पवित्रशास्त्र को समझने के लिए सीखने की ज़रूरत है और वह है भूगोल। चीजें कहाँ हुई, इसका भूगोल क्योंकि जहाँ चीजें होती हैं, उसका अर्थ होता है।

अगर मैं आपसे पूछूँ कि ऑरलैंडो, फ्लोरिडा में किस तरह की चीजें हुई हैं और अगर आप कभी अपने परिवार के साथ ऑरलैंडो, फ्लोरिडा गए हैं तो आप जानते हैं कि ऑरलैंडो, फ्लोरिडा कैसा है। आपको वहाँ डिज़्नी वर्ल्ड और कई तरह की शानदार जगहें मिलेंगी। अगर मैं ऑरलैंडो कहूँ तो ऑरलैंडो में कुछ खास चीजें होती हैं। अगर मैं न्यू ऑरलियन्स कहूँ तो न्यू ऑरलियन्स में आपके दिमाग में क्या आता है? लास वेगास के बारे में क्या खयाल आता है? अगर मैं लॉस एंजिल्स कहूँ तो आपके दिमाग में क्या आता है? क्या मिनियापोलिस न्यूयॉर्क शहर से बहुत अलग जगह है? वाशिंगटन डीसी के बारे में क्या? क्या वाशिंगटन डीसी बोस्टन से बहुत अलग है? अगर मैं आपसे पूछूँ कि बोस्टन में क्या है? तो गॉर्डन कॉलेज बोस्टन के ठीक बाहर है। हार्वर्ड, एमआईटी, गॉर्डन कॉलेज वे जगहें हैं जहाँ बोस्टन में सबसे अच्छे और प्रतिभाशाली लोग हैं। मैं यह व्यंग्य में कह रहा हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि इस इलाके में बहुत अहंकार है और हम सोचते हैं कि हम सबसे बुद्धिमान लोग हैं क्योंकि हम बोस्टन से हैं। इसलिए देश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषताएं हैं। अगर आप तकनीक करना चाहते हैं, तो आप कहां जाएंगे? सिलिकॉन वैली सैन फ्रांसिस्को के ठीक ऊपर है। भूगोल की इसमें बड़ी भूमिका है और इसलिए आपके पास जो है वह यह है कि समाजशास्त्र भी इसमें भूमिका निभाता है। सामरी और पुजारी और लेवी और सामरी के बीच वर्ग संरचना और इस तरह की चीजें। इसलिए यीशु सवाल को बदल रहे हैं। वकील पूछता है, मेरा पड़ोसी कौन है, और यीशु इसे बदल देते हैं।

अब यहाँ भूगोल है और मैं इसे सिर्फ इसलिए रखना चाहता हूँ ताकि आप भूगोल को समझ सकें। यरुशलम यहाँ स्थित है। यरुशलम, मृत सागर के शीर्ष के ठीक पश्चिम में है, जो वहाँ मृत सागर है और आप मृत सागर के शीर्ष पर आते हैं और आप अंदर आते हैं तो आप यरुशलम पहुँच जाते हैं। मृत सागर समुद्र तल से 1270 फीट नीचे है। यरुशलम समुद्र तल से लगभग 2400, 2500,

2600 फीट ऊपर है। तो आपको यहाँ से वहाँ तक 3000 से लगभग 4000 फीट की गिरावट मिलती है। तो यह पहाड़ों का पिछला हिस्सा है। यरुशलम सबसे ऊपर है और फिर यह मृत सागर में चला जाता है। क्या होता है, यहाँ आने वाली सारी नमी पहाड़ों के सामने की तरफ गिरती है। एक बार जब आप यहाँ इस रिज पर पहुँच जाते हैं, जैतून का पहाड़, यह पहाड़ों के पीछे की तरफ है। यह कैलिफ़ोर्निया की तरह है जहाँ सारी बारिश पहाड़ों के सामने और पहाड़ों के पीछे गिरती है और आपको मोजावे रेगिस्तान जैसा कुछ मिलता है। तो यह सब रेगिस्तान होने जा रहा है। यह यहूदिया का रेगिस्तान है। यहाँ बारिश होती है। यहाँ से नीचे जेरिको तक वह आदमी जा रहा है। यहाँ नीचे जाने के लिए मूल रूप से केवल एक ही मार्ग है और जैसे-जैसे आप नीचे जाते हैं, यह लगभग 20 मील तक ढलान पर जाता है। मैं सलाह देता हूँ, वास्तव में मैं इसकी सलाह नहीं देता, लेकिन, अगर आपके पास कभी साइकिल है और आप यरूशलेम में हैं और आप वास्तव में एक शानदार सवारी चाहते हैं, तो जैतून के पहाड़ की चोटी पर जाएँ और आप यहाँ लगभग 20 मील नीचे की ओर जा सकते हैं और आपको बिल्कुल भी पैडल नहीं चलाना पड़ेगा। वास्तव में यह ऊपर और नीचे जाता है इसलिए आपको पैडल चलाना होगा, लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि यह यहाँ जेरिको तक 20-30 मील के क्षेत्र में लगभग 4000 फीट नीचे जाता है।

वह आदमी यहाँ रेगिस्तान में है। डाकू कहाँ छिपे थे? लुटेरे और चोर कहाँ छिपे थे? रेगिस्तान में। तो रेगिस्तानी इलाका, आज तक, पिछली बार जब मैं वहाँ गया था तो मैं अपने बेटे को वहाँ ले गया था और वहाँ एक मठ था और हम उसे देखने जा रहे थे। वहाँ कुछ संदिग्ध लोग थे जो अभी-अभी रेगिस्तान से बाहर आए थे और मुझे लगा कि यहाँ से निकल जाने का समय आ गया है। तो इसे माले कहा जाता है अदुम्मिम . अब इसका क्या मतलब है? माले अदुम्मिम का मतलब है “खून का रास्ता।” इसलिए यह एक ऐसा क्षेत्र माना जाता है जहाँ खून बहा है। यहीं पर आप पर हमला किया जाता है। अमेरिका में भी कुछ जगहें ऐसी हैं जहाँ आप सुरक्षित हैं और कुछ जगहें ऐसी हैं जहाँ आप बहुत असुरक्षित हैं। मेरी बेटी फिलाडेल्फिया में रहती है और वहाँ कुछ ब्लॉक हैं, अगर आप दो ब्लॉक पार करते हैं और रात में अकेले चलते हैं तो आप बड़ी मुसीबत में पड़ सकते हैं। आप दो ब्लॉक पार करते हैं और चीजें बहुत बेहतर होती हैं। यह “खून का रास्ता” है और यहीं पर वे नीचे जा रहे हैं। उनके पास आज वास्तव में एक गुड सेमेरिटन सराय है। बस आपको यरूशलेम से जेरिको

तक की यात्रा का अनुभव देने के लिए।

अब यीशु जेरिको से यरूशलेम तक आने वाले हैं और वे जेरिको जाने वाले हैं और, वास्तव में, हम इस बारे में बात करने वाले हैं। जब यीशु जेरिको में होते हैं, तो वैसे यह पुराने नियम के जेरिको के विपरीत नए नियम का जेरिको होता है। वे वास्तव में नए नियम और पुराने नियम के जेरिको के बीच एक या दो मील की दूरी पर अलग-अलग हैं। यीशु जेरिको आते हैं और उनकी मुलाकात जक्कई से होती है। यहीं पर जेरिको में गूलर के पेड़ के नीचे जक्कई की कहानी होती है , इसलिए यह जेरिको होने वाला है। यह समुद्र तल से नीचे है इसलिए यह इस दरार घाटी के अंदर नीचे होने वाला है जहाँ मृत सागर है। मुझे याद नहीं कि जेरिको समुद्र तल से कितने फीट नीचे होने वाला है लेकिन यह समुद्र तल से नीचे है।

आइए लूका की पुस्तक में कुछ अन्य विशेषताओं पर नज़र डालें। आपको बता दूँ कि क्यों न हम यहीं विराम लें और जब हम वापस आएँगे तो हम लूका द्वारा विकसित सभी चीज़ों के उद्धारकर्ता के रूप में यीशु के इस विषय को उठाएँगे। चलिए अब विराम लेते हैं और जब हम वापस आएँगे तो हम उस पर नज़र डालेंगे और साथ ही जक्कई की कहानी के कुछ अंशों पर भी नज़र डालेंगे और हम नरक और प्रार्थना के बारे में लूका के दृष्टिकोण के बारे में बात करेंगे।

लिप्यंतरित: लिली हेइंटज़
बेन बोडेन द्वारा संपादित
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा संपादित रफ